■ आश्विन शुक्लु - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 72 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 04-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 वजन का प्रबंधन करना एथलीट की जिम्मेदारी है : मैरीकॉम

6 कर्मचारियों की सेहत पर भारी कंपनी की सफलता?

7 तृप्ति डिमरी पर भड़की महिलाएं, पोस्टर पर पोती कालिख

फर्स्ट टेक

राम मंदिर के शिखर का निर्माण शुरू, चार माह में पूरा होने की उम्मीद

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर के शिखर का निर्माण कार्य बृहस्पतिवार को शुरू हो गया। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि 161 फुट ऊंचे राम मंदिर के शिखर का निर्माण अगले चार महीने में पूरा होने की उम्मीद है। मिश्र ने एक बयान में कहा कि मंदिर के शिखर के निर्माण की शुरुआत के साथ ही परिसर में सात ऋषियों को समर्पित सात मंदिरों के निर्माण में भी तेजी आई है और इनके भी अगले चार महीने में बनकर तैयार हो जाने की सम्भावना है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को की गयी थी।

तिरुपति लड्डू विवाद: अदालत की निगरानी में जांच की याचिका पर आज सुनवाई करेगा न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय तिरुपति में प्रसाद के लड्डू बनाने में पशु चर्बी के कथित इस्तेमाल के मामले में अदालत की निगरानी में जांच के अनुरोध वाली याचिका समेत अन्य याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि शुक्रवार को सुबह 10.30 बजे मामले को लिया जाए। पहले इस मामले में सुनवाई बृहस्पतिवार को अपराह्न 3.30 बजे की जानी थी। मेहता ने न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा, ''अगर आप अनुमति दें तो क्या मैं कल सुबह 10.30 बजे जवाब दे सकता हूं?'' पीठ ने अनुरोध को स्वीकार कर लिया और कहा कि वह शुक्रवार को मामले में सुनवाई करेगी। पीठ ने अपने आदेश में कहा, ''चार अक्टूबर को पहले आइटम के रूप में इसे सूचीबद्ध करें।''

अहिंसा मानवता के लिए सबसे बड़ी ताकत है : गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र (संरा) महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने महात्मा गांधी के अहिंसा, शांति और समानता के संदेश को रेखांकित किया और ''हिंसा का सामना कर रही'' दुनिया और यूक्रेन से लेकर पश्चिम तक जारी संघर्षों पर गहरी चिंता व्यक्त की। दो अक्टूबर को गांधी जंयती के उपलक्ष्य में अपने संदेश में गुतारेस ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर, हम महात्मा गांधी की जंयती मनाते हैं और उन मूल्यों को दोहराते हैं जिनके लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया: समानता, सम्मान, शांति और न्याय।'' गुतारेस ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा, ''आज दुनिया हिंसा का सामना कर रही है और दुनिया भर में संघर्ष बढ़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यूक्रेन से लेकर सूडान, पश्चिम एशिया तथा और भी जगहों पर युद्ध के कारण विनाश हो रहा है।

सूर्यास्त	सूर्योदय
04-10-2024	05-10-2024
6:07 बजे	6:09 बजे

BSE	NSE
82,497.10	25,250.10
(-1,769.19)	(-546.80)

सोना	चांदी
7,953 रु.	92,585 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चाइनीज चूं चूं

मिची दुची नजरों वाले,
करते चीनी चिंगचांगचूं।
दुश्मन हैं ये सब भारत के,
सरहद पर नित टिंगटांगटूं।
नहीं खरीदें चाइनीज यदि,
लगेंगे करने फिंगफांगफूं।
पेइचिंग बोलोगा तब झुक कर,
'मेक इन इंडिया' डिंगडांगडूं।।

मैसूरु दशहरा गुरुवार को मैसूरु स्थित मैसूरु पैलेस में नवरात्रि महोत्सव के पहले दिन मैसूरु राजपरिवार के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार भव्य पोशाक पहनकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्वर्ण सिंहासन की पूजा अर्चना की। बाद में मैसूरु महाराज ने 'खास दरबार लगाकर पारम्परिक दशहरा महोत्सव की शुरुआत की। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की उपस्थिति में प्रसिद्ध लेखक एवं विद्वान हम्पा नागराजैया ने विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा महोत्सव की शुरुआत की।

हेलेन तूफान से मरने वालों की संख्या 200 तक पहुंची

ब्लैक माउंटेन/एपी। अमेरिका के जॉर्जिया और उत्तरी कैरोलिना में हेलेन तूफान से और अधिक मौतें होने की सूचना के बाद बृहस्पतिवार को इससे मरने वालों की संख्या 200 तक पहुंच गई। जॉर्जिया के अधिकारियों ने आठ और उत्तरी कैरोलिना ने तीन लोगों की मौत होने की सूचना दी है जिसके बाद मृतकों की संख्या 189 से बढ़कर 200 हो गई। पश्चिमी उत्तरी कैरोलिना के पहाड़ों में बृहस्पतिवार को भी खोज और बचाव अभियान जारी रहा। तूफान का सबसे अधिक असर इसी क्षेत्र में पड़ा है।

उच्चतम न्यायालय ने लगाई

सद्‌गुरु के ईशा फाउंडेशन के खिलाफ तमिलनाडु पुलिस की कार्रवाई पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- पीठ ने 39 और 42 साल की दो साध्वियों से बातचीत की और पाया कि वे अपनी मर्जी से और बिना किसी दबाव के वहां रह रही हैं।
- महिलाओं ने यह भी कहा कि वे आश्रम से बाहर जाने के लिए स्वतंत्र हैं और उनके माता-पिता भी समय-समय पर उनसे मिलने आते हैं।
- दोनों महिलाओं में से एक ने कहा कि उसने हाल ही में हैदराबाद में 10 किलोमीटर की मैराथन में भी भाग लिया था।

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने जाने-माने योग गुरु जग्गी वासुदेव की ओर से कोयंबटूर में संचालित ईशा फाउंडेशन आश्रम के खिलाफ दो महिलाओं को कथित तौर पर बंधक बनाकर रखने के एक मामले में तमिलनाडु पुलिस की कोई भी कार्रवाई करने पर गुरुवार को रोक लगा दी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने ईशा फाउंडेशन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी द्वारा मौखिक उल्लेख किए जाने पर अपना आदेश पारित किया, जिसमें इस मामले में उच्च न्यायालय के निर्देश और मौखिक टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई गई।

पीठ ने 39 और 42 साल की दो साध्वियों से बातचीत की और पाया कि वे अपनी मर्जी से और बिना किसी दबाव के वहां रह रही हैं।

शीर्ष अदालत में एक व्यक्ति ने याचिका दायर करके आश्रम पर आरोप लगाया है कि उसकी दो बेटियों को वहां बंधक बनाकर रखा गया है।

इसके विपरीत पीठ ने (महिलाओं से बातचीत के बाद) बताया कि महिलाओं ने यह भी कहा कि वे आश्रम से बाहर जाने के लिए स्वतंत्र हैं और उनके माता-पिता भी समय-समय पर उनसे मिलने आते हैं। पीठ ने कहा, दोनों महिलाओं में से एक ने कहा कि उसने हाल ही में हैदराबाद में 10 किलोमीटर की मैराथन में भी भाग लिया था।

शीर्ष अदालत ने इस मामले को मद्रास उच्च न्यायालय से अपने पास स्थानांतरित कर लिया। साथ ही, आश्रम में दो दिनों तक तलाशी लेने वाली पुलिस को इस न्यायालय के समक्ष अपनी स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई 18 अक्टूबर को करेगी। शीर्ष अदालत ने अगली सुनवाई के दिन दोनों महिलाओं के पिता को आभासी या शारीरिक रूप से शीर्ष अदालत में पेश होने का आदेश दिया।

मंत्रिमंडल ने एक लाख करोड़ के परिव्यय वाली दो कृषि योजनाओं को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने टिकाऊ कृषि को प्रोत्साहन और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बृहस्पतिवार को एक लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वाली दो बड़ी कृषि योजनाओं को मंजूरी दी।

इन योजनाओं के नाम 'पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' और 'कृषोन्नति योजना' हैं। इनमें से पीएम-आरकेवीवाई योजना टिकाऊ खेती को बढ़ावा देगी जबकि कृषोन्नति योजना खाद्य सुरक्षा एवं कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को समर्पित होगी।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कृषि मंत्रालय के तहत संचालित सभी केंद्र-प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) को दो बड़ी योजनाओं के रूप में युक्तिसंगत बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सरकार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि इन दोनों कृषि योजनाओं पर कुल मिलाकर 1,01,321.61 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

मंत्रिमंडल ने पांच और भारतीय भाषाओं को दिया शास्त्रीय भाषा का दर्जा

सरकार ने प्राचीन भारतीय भाषाओं के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुई आज पांच भाषाओं मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

चेन्नई मेट्रो की दूसरे चरण की 63246 करोड़ रुपए लागत की परियोजना को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नई दिल्ली/एजेन्सी। सरकार ने चेन्नई मेट्रो की दूसरे चरण की 63246 करोड़ रुपए लागत की परियोजना को मंत्रिमंडल की मंज़ूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को यहाँ केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में चेन्नई मेट्रो की दूसरे चरण को मंजूरी दी गई। कैबिनेट की बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज यहाँ बताया कि चेन्नई मेट्रो की दूसरे चरण पर 63246 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह चरण 118.9 किलोमीटर का होगा। उन्होंने कहा इसमें 128 स्टेशन होंगे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना 2027 तक पूरा करने की योजना है। एक बार दूसरा चरण पूरी तरह से चालू हो जाने पर चेन्नई में कुल 173 किलोमीटर का मेट्रो रेल नेटवर्क होगा। उन्होंने कहा कि इसको तीन गलियारे में विभाजित किया गया है।

कश्मीर, पूर्वोत्तर, नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 70 प्रतिशत की कमी आई : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पिछले दस वर्षों में कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है। उन्होंने यहां शाहीबाग क्षेत्र में अहमदाबाद पुलिस आयुक्त के नए कार्यालय भवन और संयुक्त पूछताछ केंद्र (जेआईसी) का उद्घाटन करने के बाद कहा कि इन क्षेत्रों में ऐसी घटनाओं के कारण होने वाली मौतों की संख्या में भी 72 प्रतिशत की कमी आई है।

गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आए शाह ने यह भी दावा किया कि एक बार तीनों नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार हो जाए तो लोगों को प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई तक तीन साल में न्याय मिल जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के दृढ़ संकल्प, स्थायी और प्रभावी समाधान तथा विकास समर्थक दृष्टिकोण से कश्मीर और अन्य स्थानों पर परिवर्तन आया है, जहां हिंसा व्याप्त थी।

उन्होंने कहा, ''10 वर्षों में लोगों ने देश के आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव देखा है।

500 करोड़ के निवेश धोखाधड़ी मामले में

एल्विश यादव, भारती समेत पांच पुलिस द्वारा तलब

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने ऐप के जरिये 500 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव और कॉमेडियन भारती सिंह तथा तीन अन्य को तलब किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को 500 से अधिक शिकायतें मिलीं, जिनमें आरोप लगाया गया कि कई सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर और यूट्यूबर ने अपने पेज पर हायबॉक्स मोबाइल ऐप को बढ़ावा दिया और लोगों को ऐप के जरिए निवेश का प्रलोभन दिया।

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के कस्बों और गांवों के लोगों से जगह खाली करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेरूत/एपी। इजराइल की सेना ने बृहस्पतिवार को दक्षिणी लेबनान के कस्बों और गांवों के लोगों से जगह खाली करने की चेतावनी दी। यह क्षेत्र 2006 के युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित 'बफर जोन' के उत्तर में स्थित है।

इस चेतावनी से दक्षिणी लेबनान में इजराइल की सैन्य कार्रवाई के संभावित विस्तार का संकेत मिलता है, जो अब तक सीमावर्ती क्षेत्रों तक ही सीमित थी।

मध्य बेरूत में इजरायली हवाई हमले में नौ लोगों की मौत

बेरूत/एजेन्सी। लेबनान के मध्य बेरूत में गुरुवार को एक इमारत को निशाना बनाकर किये इजरायली हवाई हमले में नौ लोगों की मौत हो गयी और 14 अन्य घायल हो गये। लेबनानी टीवी चैनल अल-जदीद की रिपोर्ट के अनुसार आज तड़के संसद के पास अल-बचौरा क्षेत्र में हिजबुल्लाह से संबद्ध स्वास्थ्य प्राधिकरण केंद्र पर हमला हुआ। टीवी फुटेज में इमारत में लगी भीषण आग के बाद इमारत से भारी काला धुआं निकलता दिखाई दिया। हवाई हमले से आस-पास के घरों और वाहनों को भी काफी नुकसान पहुंचा। आग बुझाने और हताहतों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल इलाके में पहुंचे। हवाई हमले के कारण इलाके के निवासियों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित इलाकों में शरण लेनी पड़ी।

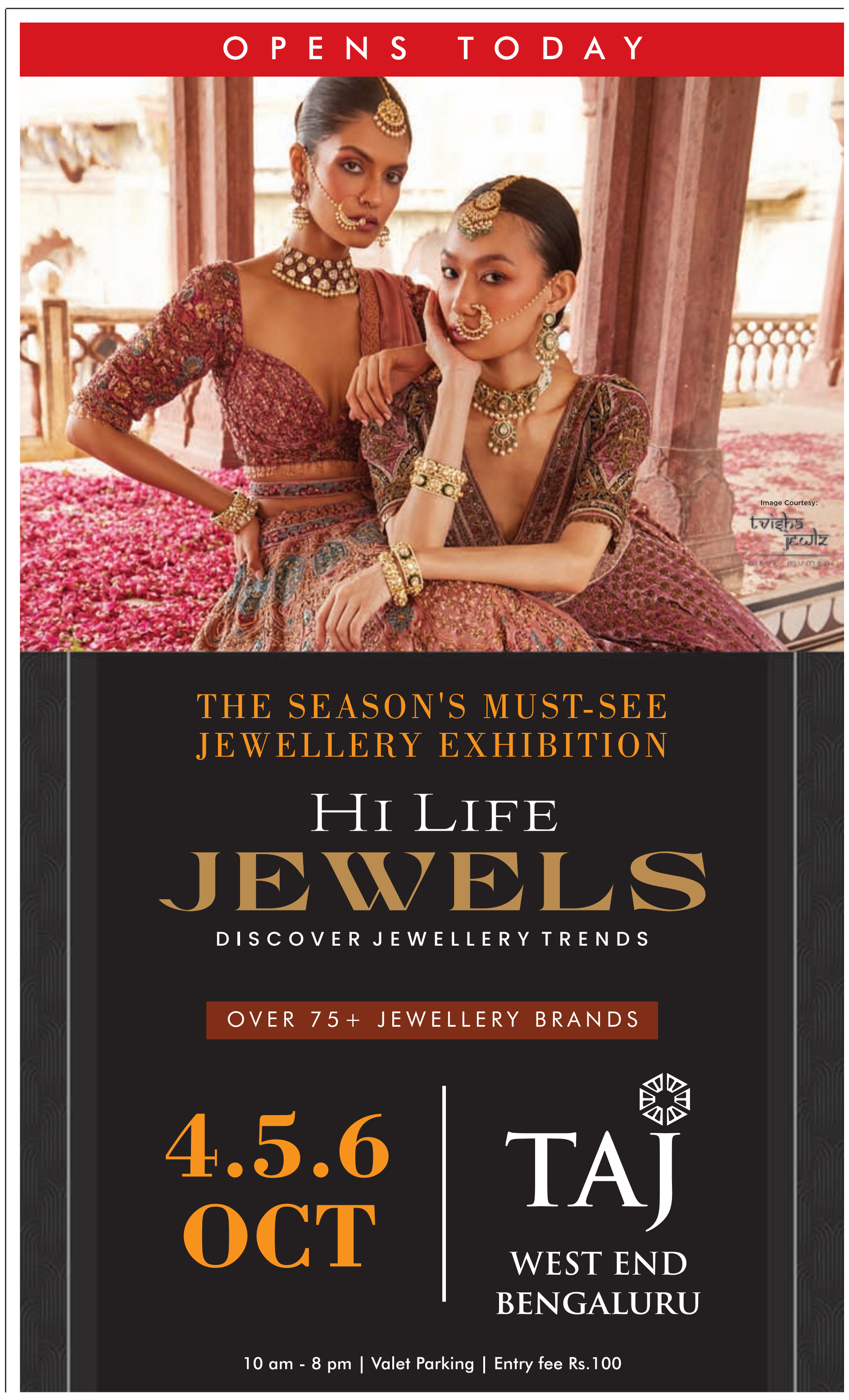

'नवरात्रि एंजाय करने का नहीं, अपितु उपासना का पर्व है'

नवरात्रि के प्रथम दिन हुए मंत्र जाप व बीज मंत्रों का प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के पंडाल में गुरुवार को विशाल धर्मसभा को मार्गदर्शन देते जैनाचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि डांडियों के माध्यम से अब नवरात्रि त्यौहार नाचगान और विजातीय मज़ाक मस्ती का इवेंट बन गया है। अनेक संस्थाएं, कंपनियां और श्रद्धाभ्रष्ट लोग इसमें कूद गए हैं। संपूर्ण त्यौहार को हाइजेक कर लिया गया है। नवरात्रि की मूल भावना और रहस्यों की किसी को परवाह नहीं है। अधिकतर लोगों को नवरात्रि के बारे में कुछ भी पता नहीं है। उनके लिए यह एक एंजॉय करने का अवसर है, जिसकी युवक-युवतियां महीनों से प्रतीक्षा करते हैं। समग्र हिन्दू समाज और उनके धर्माचार्य इस संदर्भ में उदासीन रहे हैं। आचार्यश्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ वर्षों बाद यह पूरी तरह भुला दिया जाएगा कि नवरात्रि हिन्दू परंपरा का कोई ऐतिहासिक त्यौहार था। इस तरह सांस्कृतिक पतन होता जा रहा है। मासूम निर्दोष कन्याओं में विवेक का अभाव और उनके परिवारजनों की लापरवाही के चलते नवरात्रि के डांडियों के कारण हजारों जिंदगियां दुराचार के पथ पर जा रही है। सदाचार का यह पतन समग्र समाज को डुबो देगा। यह दुःखदायी और भयावह है। आयोजकों और प्रायोजकों को सामाजिक सुरक्षा या उन्नति की कोई चिंता नहीं है। पूरे त्यौहार का व्यवसायीकरण कर दिया गया है। रुपया ही भगवान है, ऐसा मान लिया गया है। इस विकट परिस्थिति में धर्मनायक और धर्म की बड़ी बड़ी संस्थाएं निद्राधीन लगती हैं। कोई आवाज नहीं उठा रहे। जैसा चल रहा है, सब चलने दे रहे हैं। इस संदर्भ में इस्लाम, ईसाईयत, यहूदी और सिख समाज से सीखने जैसा है कि वे अपने धर्म और संस्कृति की मूल परंपराओं को न बदलते हैं और किसी को बदलने भी नहीं देते। आज पूछा जायें कि नवरात्रि की परंपराओं का दायित्व किसका है तो उत्तर मिलेगा कि कोई इसका मालिक या दिशानिर्देशक नहीं है। जिसको जैसा मन मे आएं, वैसा किया जा सकता है। सभ्य व जिम्मेदार लोगों को आगे आकर इस विषय पर सार्थक चिंतन करना होगा। नवरात्रि का पर्व आत्मउत्थान, देवी उपासना व शक्ति जागृत का पर्व है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्म और संस्कृति की परंपराओं को जीवंत एवं स्वच्छ रखना बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस चुनौतीपूर्ण कार्य की सबसे अधिक जिम्मेदारी धर्माचार्यों की होती है। धर्म जब खंड खंड बंट जाता है अथवा धर्माचार्य उदासीन या स्वकेन्द्रित बन जाते हैं तो धर्म की परंपराएं मलिन बनने लग जाती हैं। फिर वे टूट जाती हैं, इसी तरह सांस्कृतिक ह्रास होता है। इतिहास साक्षी है कि धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए पूर्व के धर्माचार्यों ने प्राणों तक के बलिदान दिए हैं। आधुनिक युग के धर्मनायकों के लिए अब कठिन चुनौतियों का समय है। तकनिकी विकास, पश्चिम के प्रवाह और सोशल मीडिया के इस युग में धर्म और संस्कृति की प्राचीन परंपराओं को सुरक्षित रखना अत्यंत मुश्किल हो गया है। नवरात्रि का त्यौहार इसका ज्वलंत उदाहरण है।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि आज नवरात्रि की सुप्रभात पर पांडाल में संगीतमय मंत्रजाप का आयोजन हुआ। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने ध्यान, मंत्रसाधना और ॐ, ह्रीं, श्रीं, अर्हं आदि बीजमंत्रों के बारे में रोचक प्रशिक्षण दिया। तत्पश्चात वर्ण के अनुसार ह्रींकर ध्यान करवाया गया। गणि पद्मविमलसागरजी के साथ श्रमणजनों ने सामूहिक महामांगलिक और स्त्रोतपाठ किया।

आईवीएफ चैप्टर ने आयोजित की व्यापार व तकनीक विषयक कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आईवीएफ बेंगलूरु चैप्टर के तत्वावधान में जयनगर स्थित एक होटल में 'टेक्नालॉजी एडाप्शन इन डेली बिजनेस प्रेक्टिस' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, मंत्री प्रशान्त सिंघी, संयोजक ललित डाकलिया एवं ललित धारीवाल तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिपिनराम अग्रवाल, त्रिशला कोठारी के दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य वक्ता के रूप में मोनिका पिरगल, मितेश खंडेलवाल एवं सुनीलकुमार जैन ने टेक्नालॉजी अडाप्शन के बारे में विस्तार से उपस्थितों का मार्गदर्शन किया। सभी वक्ताओं ने अपने अपने अन्दाज में व्यवसाय को सुचारू, सफल एवं लाभदायक बनाने के लिए कई उपाय साझा किए। मुख्य अतिथि, वक्ताओं एवं सेमिनार की प्रायोजक शीला-ललित धारीवाल एवं प्रणव-अरमान सिंघी का सम्मान मनीष जैन, महावीर पगारिया, सुनील लोढ़ा, ममता मेहता, रूपचंद कुमट ने किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री प्रशान्त सिंघी ने किया। धन्यवाद रितेश भंडारी ने दिया।

'शक्ति सवर्धन का महान स्रोत है जप अनुष्ठान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। यहां तेरापंथ भवन में विराजित साध्वी श्री संयमलताजी के सान्निध्य में नवान्हिक आध्यात्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में हुआ। साध्वीश्री संयमलताजी ने प्रेरणा देते हुए कहा कि मंत्र शक्ति को बढ़ाने वाला एवं पर शक्ति से रक्षा करने वाला सशक्त कवच है। मंत्र-

शक्ति मनुष्य के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती है।

भारतीय योग साधना में भी विशिष्ट प्रकार के मंत्रों का अनुष्ठान प्रचलित रहा है। तेरापंथ धर्मसंघ में नवरात्रि में 'चन्देसु निम्मलयरा' का एवं आगम सूक्तों का जप किया जाता है।।

ॐ के सम्यक लयबद्ध उच्चारण से मस्तिष्क रोगों का शमन, रक्तचाप संतुलित होता है। साध्वीश्री ने जप अनुष्ठान कराते हुए शक्ति संवर्धन करने हेतु आहवान किया। रात्रिकालीन प्रवचन में मंत्रों के प्रयोग का लाभ बताते हुए अनुष्ठान का आयोजन किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय मंत्री सुभाषचंद्रा डंक ने सोजत सिटी में विराजित श्रमण संघीय सुकनमुनिजी, उपप्रवर्तक अमृतमुनिजी, महेशमुनिजी, अखिलेशमुनिजी, डॉ वरुणमुनिजी आदि के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर मरुधर केसरी रूप सुकन चातुर्मास समिति सोजत सिटी के पदाधिकारियों ने डंक का सम्मान किया।

शाह ने लोगों से अहमदाबाद को सबसे स्वच्छ शहर बनाने में मदद करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को गुजरात के अहमदाबाद के निवासियों से आग्रह किया कि वे अगले साल केंद्र के स्वच्छ सर्वेक्षण में शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नगर निगम के अधिकारियों का सहयोग करें।

शाह अहमदाबाद नगर निगम द्वारा भदज क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में 447 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। अहमदाबाद शहर शाह के

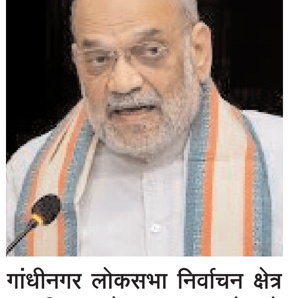

गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। वह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में मध्यप्रदेश के इंदौर और गुजरात के सूरत को संयुक्त रूप से देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया था। शाह ने कहा, एएमसी का लक्ष्य शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण में शीर्ष पर लाना है। हो सकता है कि हम इस वर्ष यह लक्ष्य हासिल न कर पाएं। लेकिन, अगर हम आज से शुरुआत करें तो अगले वर्ष के सर्वेक्षण में हम देश का सबसे स्वच्छ शहर होने का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में योजना बनाने के लिए वह नगर निगम के अधिकारियों से मिलेंगे।शाह ने उपस्थित लोगों को बताया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान उनके लोकसभा क्षेत्र में 37,000 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्य किए गए, जिनमें गुजरात सरकार द्वारा स्वीकृत 23,951 करोड़ रुपए की लागत के कार्य और केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत 14,000 करोड़ रुपए की लागत की परियोजनाएं शामिल हैं।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा लग्गेरे स्थित आसारे वृद्ध आश्रम में कमलाबाई भंडारी परिवार के सहयोग से आश्रम में रहने वाला 150 वृद्धजनों को भोजन करवाया गया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, जयंतीलाल गांधी, राजेश देरासरिया, रवि चौधरी, पवन कोठारी ने सेवा कार्य में सहयोग किया।

पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच भाजपा नेता हर्षवर्धन पाटिल ने शरद पवार से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले पाला बदलने की अटकलों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता हर्षवर्धन पाटिल बृहस्पतिवार को मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार से मिले।

पाटिल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उन्होंने पवार से दक्षिण मुंबई में उनके 'सिल्वर ओक' आवास पर मुलाकात की। पाटिल ने कहा, ''पवार ने मुझसे उनकी पार्टी में शामिल होने और विधानसभा चुनाव लड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वह मुझे चुनाव जिताएंगे।'' राज्य के मंत्री और भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने संवाददाताओं से कहा कि पूर्व राज्य मंत्री हर्षवर्धन पाटिल को राकांपा (एसपी) में शामिल होने के अपने फैसले पर पछतावा होगा। उन्होंने कहा कि जो लोग यह

महसूस कर रहे हैं कि उन्हें विधानसभा चुनावों में (भाजपा द्वारा) फिर से मैदान में नहीं उतारा जाएगा, वे पार्टी छोड़ रहे हैं।

चंद्रकांत पाटिल ने कहा, ''जब हम चुनाव जीतेंगे और वह (हर्षवर्धन) पार्टी में पुनः शामिल होने के लिए हमारे पास आएंगे, तो हमारे शीर्ष नेता तय करेंगे कि उन्हें वापस लिया जाए या नहीं।'' बारामती क्षेत्र में इंदापुर विधानसभा सीट से पूर्व विधायक हर्षवर्धन पाटिल के पाला बदलने की अटकलें लगाई जा रही हैं, खासकर तब जब राकांपा नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि पिछली बार सीट जीतने वालों को ही यह सीट बरकरार रखने का मौका मिलेगा।

एचसीए मामले में ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए अजहरुद्दीन, 8 अक्टूबर को फिर बुलाया गया

हैदराबाद/भाषा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एवं कांग्रेस नेता मो.अजहरुद्दीन हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं हुए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि 61 वर्षीय पूर्व सांसद को यहां फतेह मैदान रोड पर संघीय एजेंसी के कार्यालय में पेश होने और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा कि पूर्व क्रिकेटर ने एजेंसी से और समय मांगा। सूत्रों ने बताया कि अजहरुद्दीन को आठ अक्टूबर को पेश होने के लिए नया समन जारी किया गया है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी: रैना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख रविंदर रैना ने कहा कि पार्टी मौजूदा विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी और केंद्र शासित प्रदेश में अपनी सरकार बनाएगी। रैना ने कहा कि तीनों चरणों में रिकॉर्ड मतदान से संकेत मिलता है कि भाजपा आठ अक्टूबर को पूर्ण बहुमत हासिल करने जा रही है।

रैना ने यहां संवाददाताओं से कहा, जिस तरह से लोगों ने बड़े पैमाने पर मतदान किया है हमें विश्वास है कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा की बहुमत वाली सरकार बनेगी। भाजपा जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरेगी।

लोगों ने पिछले दस वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किए गए विकास कार्यों को ध्यान में रखते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। रैना ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के 'नया कश्मीर' सपने को पूरा करने के लिए भाजपा की 'प्रतिबद्धता'को भी रेखांकित किया। रैना ने मतदाता प्रतिशत पर विचार व्यक्त करते हुए कहा, भारी संख्या में लोगों की भागीदारी पिछले एक दशक में भाजपा की ओर से की गईं विकास संबंधी पहलों के प्रति लोगों के समर्थन को दर्शाती है।

एयर मार्शल एस पी धारकर ने वायुसेना उप प्रमुख का पदभार संभाला

नई दिल्ली/भाषा। एयर मार्शल एस पी धारकर ने बृहस्पतिवार को वायुसेना के उप प्रमुख का पदभार संभाल लिया। वह एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लेंगे, जो 30 सितंबर को वायुसेना प्रमुख बने थे। लड़ाकू विमानों के कुशल पायलट धारकर को 3,600 घंटे की उड़ान का अनुभव है।

एयर मार्शल धारकर ने विभिन्न प्रकार के लड़ाकू विमान और प्रशिक्षण विमान उड़ाए हैं और मिग-27 स्क्वाड्रन की कमान संभाली है। वह एक अनुभवी योग्य उड़ान प्रशिक्षक, लड़ाकू स्ट्राइक लीडर और इंस्ट्रूमेंट रेटिंग प्रशिक्षक हैं। वर्ष 1985 में 'फाइटर स्ट्रीम' में कमीशन प्राप्त करने वाले धारकर राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कॉलेज (आरआईएमसी), राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज और अमेरिकी एयर वार कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने फ्रंटलाइन लड़ाकू इकाई की कमान संभाली और रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के पहले महानिदेशक के रूप में कार्य किया।

गुजरात में बड़े संकट का सामना कर रहा हीरा उद्योग, श्रमिक बेरोजगार : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस की गुजरात इकाई ने बृहस्पतिवार को कहा कि सूरत में हीरा श्रमिक रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण बेरोजगारी और मंदी के 'गंभीर संकट' का सामना कर रहे हैं। राज्य में मुख्य विपक्षी दल ने केंद्र से इस दिशा में सुधारात्मक उपाय करने का आग्रह किया।

कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि हीरा उद्योग में संकट के कारण कई हीरा श्रमिकों ने अपनी नौकरी गंवा दी और उनमें से कुछ ने तो आत्महत्या भी कर ली। उन्होंने कहा, सूरत का हीरा उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा है क्योंकि जी-7 समूह देशों ने रूसी हीरों पर प्रतिबंध लगा दिया है। रूसी हीरों को भारत में काटने और चमकाने के लिए आयात किया जाता है और पश्चिमी बाजारों के साथ-साथ चीन, यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) और

हांगकांग में निर्यात किया जाता है। गोहिल ने कहा कि अधिकांश कच्चे हीरों का खनन रूस में किया जाता है। उन्होंने कहा कि हीरा उद्योग से जुड़े कई सारे श्रमिकों ने अपनी नौकरी गंवा दी और उनमें से कुछ ने आत्महत्या भी कर ली।

गोहिल ने कहा कि संकट की गंभीरता के बावजूद, केंद्र और राज्य सरकार ने हीरा श्रमिकों की मदद के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि ये श्रमिक जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गोहिल ने पूछा, केंद्र सरकार ने रूसी खदानों से प्राप्त कच्चे हीरों पर कड़े प्रतिबंधों के बारे में अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप सहित जी-7 समूह देशों के साथ इस मुद्दे को क्यों नहीं उठाया?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में 63.88 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे चरण में 69.69 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया। केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव में कुल 63.88 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया । चुनाव आयोग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

आयोग ने बताया कि कुल मिलाकर मतदान केंद्रों पर 63.88 प्रतिशत मतदान

हुआ, जबकि लोकसभा चुनाव में 58.58 प्रतिशत लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बताया कि एक अक्टूबर को केंद्र शासित प्रदेश में 40 सीटों पर मतदान के दौरान तीसरे चरण में पुरुष मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 69.37 प्रतिशत रहा, जबकि महिलाओं का प्रतिशत 70.02 रहा। आयोग ने बताया कि तीसरे चरण में तीसरे लिंग के करीब 44 प्रतिशत मतदाता लोकतंत्र के इस पर्व में शामिल हुए । इसने बताया कि कुल मतदान 63.88 प्रतिशत रहा, जिसमें पुरुषों की भागीदारी 64.68 प्रतिशत रही। आयोग ने कहा कि राज्य की 63.04 प्रतिशत महिलाओं ने भी मताधिकार का इस्तेमाल किया। इसमें तीसरे लिंग के मतदाताओं का मतदान फीसद 38.24 रहा। आयोग ने बताया कि डाक से प्राप्त हुए मतपत्रों की गिनती के बाद मतदान के अंतिम आंकड़ों का पता चल पायेगा।

'पर्यावरण संकट से निपटने में समान रूप से सहभागिता निभानी होगी'

रायपुर/भाषा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बृहस्पतिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी सौर और जल विद्युत क्षमता का विस्तार कर रहा है तथा 2030 तक भारत को 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

साय ने कहा है कि पर्यावरण संकट और जलवायु परिवर्तन राष्ट्रीय चिंतन का विषय बन गया है और इस समस्या से निपटने के लिए सभी को समान रूप से सहभागिता निभानी होगी। अधिकारियों ने बताया कि साय आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल

उपाध्याय सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ हरित शिखर कार्यक्रम के प्रथम संस्करण को संबोधित कर रहे थे। साय ने जलवायु परिवर्तन पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा, इस वर्ष देश में गर्मी ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। राजधानी दिल्ली में तापमान 52.3 डिग्री तक पहुंच गया था। दुबई जैसे रेगिस्तानी इलाके में इतनी अत्यधिक बारिश हुई कि शहर बाढ़ की चपेट में आ गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए छत्तीसगढ़ में अनेकों कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं तथा सरकार वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए किसान वृक्ष मित्र योजना व ग्रीन क्रेडिट योजना का क्रियान्वयन कर रही है। साय ने कहा, राज्य का 44 फीसदी हिस्सा वनाच्छादित है और हम इसे सहेजने का काम गंभीरता के साथ कर रहे हैं। हाल ही में हमने गुरु घासीदास-तमोर पिंगला को बाघ अभयारण्य बनाने की पहल की है।

मैसूरु में गुरुवार को विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा का उद्घाटन प्रसिद्ध लेखक एवं विद्वान हम्पा नागराजैया ने किया। मैसूरु स्थित चामुन्डी हिल्स पर स्थित चामुन्डी मंदिर में माता चामुन्डी के दर्शन के आशीर्वाद प्राप्त करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं अन्य।

मैसूरु में धार्मिक और पारंपरिक उत्साह के साथ भव्य दशहरा उत्सव शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मैसूरु में धार्मिक और पारंपरिक उत्साह के बीच बृहस्पतिवार को 10 दिवसीय प्रसिद्ध दशहरा समारोह शुरू हुआ और प्रसिद्ध लेखक एवं विद्वान हम्पा नागराजैया ने उत्सव का उद्घाटन किया। राज्य उत्सव 'नाड हब्बा' के रूप में मनाए जाने वाले दशहरा उत्सव के इस वर्ष भव्य होने की उम्मीद है, जिसमें कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के साथ राजवंशों के ठाठ और गौरव की झलक दिखाई देंगी। दशहरा को यहां 'शरण नवरात्रि' भी कहा जाता है। नागराजैया ने यहां चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मैसूरु और उसके राजघरानों की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी की प्रतिमा पर पुष्प वर्षा कर शुभ वृश्चिक 'लग्न'' के दौरान उत्सव का उद्घाटन किया। उनके साथ मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, राज्य मंत्रिमंडल के कई मंत्री तथा अन्य लोग भी मौजूद रहे।नागराजैया मुख्यमंत्री और अन्य व्यक्तियों के साथ चामुंडेश्वरी मंदिर भी गए और उद्घाटन से पहले ''नाड देवाते'' (राज्य देवी) की पूजा-अर्चना की। नवरात्रि के दौरान यहां मैसूरु के महल, प्रमुख सड़कों, मोड़ों या सर्किलों और इमारतों में ''दीपलंकारा'' होगा यानी इन्हें रोशनी से जगमग किया जाएगा। राज्य भर से 508 सहित लगभग 6,500 कलाकार करीब 11 मंचों पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा खाद्य मेला, पुष्प प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, किसान दशहरा, महिला दशहरा, युवा दशहरा, बच्चों का दशहरा और कविता पाठ भी लोगों को आकर्षित करेंगे। जिला प्रशासन के अनुसार, इस वर्ष दशहरा के दौरान कोई 'एयर शो' नहीं होगा। यहां महल में नवरात्रि समारोह में मैसूरु राजपरिवार के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार भव्य पोशाक पहनकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्वर्ण सिंहासन पर चढ़कर 'खास दरबार' (निजी दरबार) का आयोजन करते हैं। विजयादशमी के अवसर पर 12 अक्टूबर को 10 दिवसीय उत्सव के समापन के दौरान सोने के सिंहासन में रखी देवी चामुंडेश्वरी की प्रतिमा को सजे-धजे हाथियों पर रखकर शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

मैसूरु पैलेस में नवरात्रि महोत्सव के पहले दिन गुरुवार को मैसूरु राजपरिवार के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार भव्य पोशाक पहनकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्वर्ण सिंहासन पर चढ़कर 'खास दरबार' (निजी दरबार) सजाया।

निर्वाचित सरकारों को नहीं गिराया जाना चाहिए : नगराजैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। प्रख्यात कन्नड़ लेखक और विद्वान हम्पा नगराजैया ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसी भी सरकार के लिए अपना कार्यकाल पूरा करना असंभव हो गया है। उन्होंने विपक्षी दलों द्वारा सत्ता पर काबिज निर्वाचित सरकारों को गिराने के प्रयासों की निंदा की। नगराजैया ने यहां चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित देवी चामुंडेश्वरी के मंदिर के परिसर में दस दिवसीय दशहरा समारोह के उद्घाटन पर अपने संबोधन में कहा कि चुनाव हारने वाले दलों को जनता का विश्वास जीतने के बाद सत्ता में आने के लिए अगले चुनाव का इंतजार करना चाहिए। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) 'घोटाले' के मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ जांच और विपक्षी दलों द्वारा उनके इस्तीफे की मांग के बीच नगराजैया की यह टिप्पणी आई है। नगराजैया ने इस मामले का संदर्भ नहीं दिया। उन्होंने कहा, मैं राज्य के लोगों की ओर से देवी से प्रार्थना करता हूं कि वे मेरी कुछ इच्छाएं पूरी करें।

नगराजैया ने कहा, मैं देवी से प्रार्थना करता हूं कि सरकार को गिराने की दुर्भावना समाप्त हो और चुनी हुई सरकारों को बचाने व उनकी रक्षा करने की सोच प्रबल हो। किसी चीज को खत्म करना आसान है लेकिन बनाना उतना ही कठिन। आम आदमी जो पहले से ही परेशान है, उसे बार-बार चुनावों के दबाव में न डाला जाए।

उन्होंने कहा, किसी भी सरकार के लिए स्थायी रूप से सत्ता में बने रहना (अपना कार्यकाल पूरा करना) असंभव है। हारी हुई पार्टी को जनता का विश्वास जीतने और सत्ता में वापस आने के लिए अगले पांच साल में खुद को तैयार करना चाहिए। सरकारों को गिराने की दुर्भावना समाप्त होनी चाहिए। शहर में धार्मिक और पारंपरिक उत्साह के बीच प्रसिद्ध दशहरा समारोह शुरू होने पर मुख्यमंत्री ने नगराजैया के संबोधन की सराहना करते हुए कहा कि यह भाषण मूल्यों और उन मुद्दों से भरा हुआ था जो आज राज्य, देश और दुनिया के लिए प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा, नगराजैया ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अवैध रूप से निर्वाचित सरकारों को गिराना लोकतंत्र विरोधी है।

स्त्री शक्ति ही कर्नाटक के पीछे की शक्ति है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को स्त्री शक्ति को कर्नाटक की प्रेरक शक्ति बताया। मैसूरु में 10 दिवसीय दशहरा उत्सव का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा, ''परिवार को चलाने वाली एक महिला है, राज्य की रक्षा करने वाली विभिन्न देवियां हैं, स्त्री शक्ति वास्तव में कर्नाटक के पीछे की शक्ति है।'' हमने पिछले दशहरा के दौरान अच्छी बारिश के लिए देवी चामुंडेश्वरी से प्रार्थना की थी। उन्होंने इस साल हमें अच्छी बारिश का आशीर्वाद दिया है। उनके आशीर्वाद के लिए, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और मैंने चार जलाशयों को बगिना अर्पित किया है। यह देवी चामुंडेश्वरी ही हैं जिनमें संकटों को दूर करने की शक्ति है उन्होंने कहा, हमारे दुख दूर हो गए हैं। उनके आशीर्वाद से

राज्य के लोग खुश हैं। सीएम और मैंने देवी चामुंडेश्वरी को गृहलक्ष्मी के बराबर 2000 रुपये का दान दिया है।

उन्होंने कहा, पिछले साल दशहरा का उद्घाटन हमसलेखा ने किया था। मुझे खुशी है कि हम्पा नागराजैया ने इस साल दशहरा का उद्घाटन किया। वे साहित्य जगत के 'पयलवान' हैं। नवरात्रि का मतलब है नौ दिन। हम देवी के नौ अलग-अलग अवतारों की पूजा करते हैं। मेरा मानना है कि नव दुर्गाओं की शक्ति अगले 9 सालों तक कांग्रेस सरकार को शक्ति देगी। मैसूरु में चामुंडेश्वरी, उत्तरी कर्नाटक में बनशंकरी, तटीय कर्नाटक में दुर्गा परमेश्वरी, उन्होंने कहा, बेंगलूरु में सिगदुरेश्वरी, अन्नाम्मा, मेरे गांव में कंकेरम्मा और कब्बलम्मा। ये माताएं राज्य के आठ पक्षों की रक्षा कर रही हैं। उन्होंने याद करते हुए कहा, हम्पा नागराजैया, जो मेरे गुरु जैसे हैं, मैं उन्हें 55 सालों से जानता हूँ। उनके बेटे हर्ष और मैं सहपाठी थे। कमला हम्पाना की कमी खलती है।

मुडा मामला : मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है, सच्चाई की हमेशा जीत होगी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) 'घोटाला' मामले में जांच का सामना कर रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि सच्चाई की जीत होगी। उन्होंने विपक्ष की ओर से उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने की मांग को एक बार फिर खारिज कर दिया। उन्होंने यहां चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर परिसर में दस दिवसीय दशहरा समारोह के उद्घाटन समारोह में कहा, ''सत्यमेव जयते।'' 'मुडा घोटाले' को लेकर भाजपा और जद (एस) द्वारा उनके इस्तीफे की मांग के बीच मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जब तक उनके पास लोगों और चामुंडेश्वरी देवी का आशीर्वाद है, तब तक कोई भी कुछ नहीं कर सकता।'' सिद्दरामय्या को एमयूडीए मामले में अप्रत्याशित रूप से तब समर्थन मिला, जब जद (एस) के वरिष्ठ नेता एवं विधायक जी. टी. देवेगौड़ा ने उनके इस्तीफे की मांग की निंदा की। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यदि उन्होंने कुछ गलत किया होता तो उनके लिए इतने लंबे समय तक राजनीति में बने रहना संभव नहीं होता। सिद्दरामय्या 2013 से 2018 तक भी राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा, इससे पहले भी मैं पांच साल तक मुख्यमंत्री रहा हूं। संभवत: देवराज उर्स के बाद कर्नाटक के इतिहास में अगर कोई मुख्यमंत्री पांच साल का कार्यकाल पूरा कर पाया है तो वह केवल सिद्दरामय्या हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बाधाओं और कठिनाइयों के बावजूद उन पर मां चामुंडेश्वरी का आशीर्वाद बना हुआ है। उन्होंने कहा, जी. टी. देवेगौड़ा (जद (एस) विधायक) एमयूडीए के सदस्य हैं और उन्हें पता है कि सच्चाई क्या है, इसलिए दूसरी पार्टी में होने के बावजूद उन्होंने सच बोलने की कोशिश की है। 'सत्यमेव जयते'..., ''सत्य की हमेशा जीत होगी। इसलिए मैंने कई बार कहा है कि जब तक इस सरकार और सिद्दरामय्या को आप लोगों का, राज्य के लोगों का आशीर्वाद प्राप्त है तब तक कोई कुछ नहीं कर सकता।''

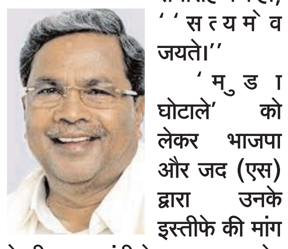

सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने चामुंडेश्वरी विधानसभा क्षेत्र से आठ चुनाव लड़े हैं जिनमें से पांच बार उन्हें जीत मिली है और तीन बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें देवेगौड़ा के खिलाफ एक बार हुई हार भी शामिल है। उन्होंने कहा, यह मेरी अपनी गलतियों के कारण हुई हार थी, मैं अभी इसका विश्लेषण नहीं करना चाहता। चामुंडेश्वरी के लोगों के आशीर्वाद के कारण ही मैं दो बार मुख्यमंत्री बना हूं। उन्होंने कहा, ''मैं वरुणा से तीन बार और बादामी से एक बार, चामुंडेश्वरी से पांच बार चुनाव जीत चुका हूं। मैंने नौ चुनाव जीते हैं। मुझे पहली बार मंत्री बने 40 साल से अधिक समया हो गया है। मैं 17 अगस्त, 1984 को पहली बार मंत्री बना था। देवी चामुंडेश्वरी के आशीर्वाद से मैंने कोई गलत काम नहीं किया है, यदि मैंने कुछ गलत किया होता तो मेरे लिए इतने लंबे समय तक राजनीति में बने रहना संभव नहीं होता।''

सिद्दरामय्या ने कहा कि वह और देवेगौड़ा एक ही तालुका से हैं और पहले भी साथ काम कर चुके हैं। जद (एस) कोर कमेटी के प्रमुख देवेगौड़ा, जिन्होंने दशहरा समारोह में सिद्दरामय्या के साथ मंच साझा किया था, ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा की और साथ ही उन्होंने उनके इस्तीफे की मांग करने वालों पर निशाना साधा। देवेगौड़ा ने जद (एस) नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी पर कटाक्ष करते हुए कहा, राज्य और केंद्र के लोग, मंत्री बनने के बाद (केंद्र में) अपनी जिम्मेदारी को समझे बिना उनके (सिद्दरामय्या) अच्छे कामों को दरकिनार करके हर रोज उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस ने बीडीए को जमीन सौंपने को लेकर भाजपा नेता अशोक पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने बुधवार को विपक्ष के नेता आर. अशोक की आलोचना की, जिन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनकी पत्नी पर एमयूडीए घोटाले के सिलसिले में 14 भूखंडों का स्वामित्व और कब्जा छोड़ने के लिए निशाना साधा था। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती बी.एम. द्वारा भूखंड लौटाने की पेशकश के बाद मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) ने मंगलवार को उनको आवंटित 14 भूखंडों को वापस लेने का फैसला किया था।मंत्री जी परमेश्वर, एच. के. पाटिल, कृष्णा बायरे गौड़ा और सतीश जारकीहोली ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और यहां लोट्टेगोल्लाहल्ली में लगभग एक एकड़ उस भूमि की कथित अवैध अधिसूचना रद्द करने के संबंध में दस्तावेज जारी किए, जो अशोक के पास थी और बाद में उन्होंने इसे 'उपहार' के रूप में बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) को 'वापस' कर दिया था।

उन्होंने राज्य की जनता की ओर से अशोक से जवाब मांगा कि उन्होंने अधिसूचित भूमि को अपने नाम पर कैसे पंजीकृत किया और फिर इसे मूल मालिक - बीडीए से कैसे गैर अधिसूचित करवाया और बाद में जब मामला अदालत में चला गया तो उन्होंने इसे बीडीए को क्यों लौटा दिया?

परमेश्वर ने भाजपा नेता के बारे में कहा, विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मुख्यमंत्री की पत्नी द्वारा 14 भूखंडों को वापस करने के संबंध में कई सवाल उठाए हैं और कहा है कि ऐसा करके मुख्यमंत्री ने घोटाले को स्वीकार कर लिया है। लेकिन हम आपके सामने यह कहने आए हैं कि एक ऐसा मामला है जिसमें अशोक स्वयं भी इसी तरह के मामले में शामिल हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब भूमि का स्वामित्व बीडीए के पास था, तो अशोक किसी से भूमि कैसे खरीद सकते थे और फिर एक ''असंबद्ध व्यक्ति'' के माध्यम से इसे कैसे गैर अधिसूचित करा सकते थे।

सावरकर पर टिप्पणी को भाजपा ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के बारे में कर्नाटक के मंत्री दिनेश गुंडू राव की विवादास्पद टिप्पणी को लेकर बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी का अपमान करने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि जिस पार्टी के किसी भी नेता ने एक दिन के लिए भी 'कालापानी की सजा' नहीं झेली, वह उस व्यक्ति का अपमान कर रही है जिसे अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की सेलुलर जेल में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने एक कार्यक्रम में दावा किया था कि सावरकर मांस खाया करते थे और वह गौ वध के खिलाफ नहीं थे। उन्होंने बुधवार को कहा, सावरकर एक चितपावन ब्राह्मण थे और वह मांस खाया करते थे। वह एक मांसाहारी व्यक्ति थे तथा गौ वध के खिलाफ नहीं थे। इस लिहाज से वह आधुनिक थे। भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने पीटीआई-भाषा से कहा, यह बयान दुर्भाग्यपूर्ण और अपमानजनक है। देश की स्वतंत्रता के लिए लगातार अंग्रेजों से लोहा लेने वाले और जिनसे अंग्रेज घबराते थे, ऐसे वीर सावरकर का यह अपमान है। यह कांग्रेस की आदत है कि वह लगातार देश के स्वतंत्रता सेनानियों का और देश के लिए सीमा पर अपने प्राण दांव पर लगाने वाले वीर सैनिकों का हमेशा ही अपमान करती रही है। उन्होंने कहा, जिस पार्टी के किसी भी नेता ने एक दिन के लिए भी कालापानी की सजा' नहीं झेली, वह उस व्यक्ति का अपमान कर रही है जिसे अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की सेलुलर जेल में दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। चुघ ने कहा कि देश में क्रांतिकारियों के लिए प्रेरणा रहे वीर सावरकर का अपमान करना चांद पर थूकने के समान है।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' का नारा लगाने वाले कन्हैया कुमार को कांग्रेस गले लगाती है, अफजल गुरु (संसद हमले के दोषी) को नायक मानने वालों के लिए रेड कार्पेट बिछाती है।

सावरकर मांस खाते थे, वह गौ वध के खिलाफ नहीं थे : मंत्री दिनेश गुंडू राव का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने दावा किया है कि हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर मांस खाते थे और वह गौ वध के खिलाफ नहीं थे। यहां एक कार्यक्रम में बुधवार को राव ने कहा, सावरकर एक चितपावन ब्राह्मण थे और वह मांस खाते थे। वह मांसाहारी थे तथा गौ वध के खिलाफ नहीं थे। एक तरह से वह आधुनिक थे। मंत्री ने दावा किया, कुछ लोग कहते हैं कि वह बीफ भी खाते थे। एक ब्राह्मण के रूप में वह मांस खाते थे और मांसाहार का खुलेआम समर्थन करते थे। उनकी यही सोच थी। राव ने कहा कि महात्मा गांधी एक शाकाहारी व्यक्ति थे और हिंदुत्व के प्रति उनकी दृढ़ आस्था थी, लेकिन उनके कृत्य अलग थे। वह एक लोकतांत्रिक व्यक्ति थे। उन्होंने कहा, एक अन्य ध्रुव (पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली) जिन्ना थे। वह कट्टर इस्लामी व्यक्ति थे। वह शराब पीते थे और कहा जाता है कि वह सूअर का मांस भी खाते थे, लेकिन द्विराष्ट्र

सिद्धांत और राजनीति के बाद वह प्रतिष्ठित मुस्लिम नेता बन गए। लेकिन जिन्ना रूढ़िवादी नहीं थे, बल्कि सावरकर रूढ़िवादी थे।

मंत्री ने बृहस्पतिवार को उस संदर्भ को स्पष्ट किया जिसके तहत उन्होंने ये टिप्पणियां कीं। मंत्री ने कहा कि एक पुस्तक के विमोचन के लिए आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गांधी की हत्या पर चर्चा के दौरान उन्होंने बहुत 'स्वस्थ चर्चा' की थी। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, यह मूल रूप से महात्मा गांधी और सावरकर के बीच विरोधाभास पर एक अवलोकन था। कैसे महात्मा गांधी एक धार्मिक व्यक्ति थे और कैसे सावरकर एक नास्तिक थे, कैसे महात्मा गांधी एक ऐसे व्यक्ति थे जो शाकाहारी थे और धर्म में बहुत आस्था रखते थे। सावरकर मांसाहारी थे और वह आधुनिकतावादी थे।

राव ने कहा कि उन्होंने गांधी और सावरकर के बीच अंतर इस बात पर प्रकाश डालने के लिए बताया कि इस देश में कट्टरवाद का मुकाबला कैसे किया जाए, कैसे कट्टरवाद हिंसा को जन्म देता है और महात्मा गांधी के दर्शन का उपयोग करके इससे कैसे निपटा जा सकता है। मंत्री ने कहा, यदि आप (नाथूराम) गोडसे के दर्शन पर विचार करें तो उसे गांधी की हत्या करने का कोई पछतावा नहीं था क्योंकि वह सावरकर के दर्शन में विश्वास करता था।

तीन और संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक के पीन्या में तीन संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिकों को बृहस्पतिवार को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तीन संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिकों को ऐसे समय में हिरासत में लिया गया है जब कुछ ही दिन पहले बेंगलूरु के बाहरी इलाके जिगानी में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि इन तीन लोगों में दंपति और उनकी बेटी शामिल हैं। यह भी पता चला है कि वे जिगानी में पकड़े गए लोगों की तरह ही फर्जी पहचान पत्र का इस्तेमाल कर रहे थे।

केन्द्रीय मंत्री सोमन्ना ने कर्नाटक की रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कर्नाटक की रेलवे परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे मुख्यालय में समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक के दौरान विधायक महेश टेंगिनकाई भी मौजूद थे।

बैठक के दौरान जिन प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की गई उनमें गिनिगेरा-रायचूर नई लाइन, कडुर-चिकमगलुरु नई लाइन, बागलकोट-कुडाची नई लाइन, धारवाड़-बेलगावी नई लाइन, हुब्बल्ली-अंकोला नई लाइन, रायदुर्ग-तुमकुरु नई लाइन, गडग-वाडी नई लाइन, चित्रदुर्ग-दावणगेरे नई लाइन, बागलकोट-कुडाची नई लाइन, हासन-बेलूर नई लाइन, शिवमोग्गा-शिकारीपुरा-रानीबेन्नूर नई लाइन, होटगी-कुडगी-गडग दोहरीकरण, होस्पेट-वास्को दा गामा दोहरीकरण शामिल हैं।

सभी परियोजनाओं पर भूमि अधिग्रहण, डीपीआर, निविदा प्रगति आदि के संबंध में उनकी पूर्व निर्धारित स्थिति के साथ विस्तार से चर्चा की गई और राज्य मंत्री ने सभी रेलवे अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर जून 2027 तक परियोजनाओं को पूरा करने की सलाह दी है। उन्होंने रेलवे अधिकारियों को परियोजनाओं के निष्पादन के दौरान आने वाली बाधाओं को दूर करने के भी निर्देश दिए।बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए वी. सोमन्ना ने कर्नाटक में दक्षिण पश्चिम रेलवे के महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया। उन्होंने रेलवे परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के महत्व पर जोर दिया और अधिकारियों को शेष बची भूमि के अधिग्रहण में तेजी लाने का निर्देश दिया। वी. सोमन्ना ने अधिकारियों को 22 प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता देने और निर्धारित समय सीमा के भीतर उन्हें पूरा करने का भी निर्देश दिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव, अतिरिक्त महाप्रबंधक केएस जैन, प्रमुख विभागाध्यक्ष, धारवाड़ की उपायुक्त दिव्या प्रभु और बेलगावी के उपायुक्त एम. रोशन (वीसी के माध्यम से) और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद थे।

डिब्रूगढ़ से हुब्बल्ली तक एक तरफा विशेष एक्सप्रेस कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे की विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे डिब्रूगढ़ से हुब्बल्ली तक एकतरफा विशेष एक्सप्रेस ट्रेन (07359) चला रहा है। यह ट्रेन 5 अक्टूबर को 13:30 बजे डिब्रूगढ़ से अपनी यात्रा शुरू करेगी और 8 अक्टूबर (मंगलवार) को 09:00 बजे एसएसएस हुब्बल्ली पहुंचेगी।

रास्ते में यह ट्रेन न्यू तिनसुकिया, महारकटिया, सिमलुगुड़ी जंक्शन, मारियानी जंक्शन, फुर्केटिंग जंक्शन, दीमापुर, दीफू, लुमडिंग जंक्शन, होजाई, चपरमुख जंक्शन, जगी रोड, गुवाहाटी, कामाख्या, रंगिया जंक्शन, न्यू बोंगाईगांव, न्यू कूच बिहार, धूपगुड़ी, न्यू जलपाईगुड़ी, किशनगंज, मालदा टाउन, रामपुर हाट, बोलपुर शांतिनिकेतन, दानकुनी , खड़गपुर जंक्शन, बालासोर, भद्रख, कटक, भुवनेश्वर, खुर्दा रोड जंक्शन, बरहामपुर, पलासा, श्रीकाकुलम रोड, विजयनगरम जंक्शन, कोट्टावलसा, सिम्हाचलम उत्तर, दुव्वाडा, समालकोट जंक्शन, राजमुंदरी, एलुरु, विजयवाड़ा जंक्शन, गुंटूर जंक्शन, नरसरावपेट, विनुकोंडा, मार्कपुर रोड, गिद्दलुर, दिगुवामेट्टा, नांदयाल, धोने जंक्शन, गुंटकल जंक्शन, बल्लारी जंक्शन, तोरणगल्लू, होसपेट जंक्शन, कोप्पल और गदग जंक्शन पर रुकेगी। इस ट्रेन में 14 कोच होंगे, जिनमें 10 स्लीपर क्लास, जनरल सेकंड क्लास और एसएलआर/डी-2 शामिल हैं।

श्रद्धांजलि

मंड्या जिले के मद्दूर के सोमनहल्ली में गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा के चचेरे भाई प्रोफेसर टी. शिवन्ना के पार्थिव शरीर को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। इस मौके पर विधायक कदलुर उदय और अन्य उपस्थित थे।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल करने में मौजूदा पीढ़ी का योगदान महत्वपूर्ण : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को पाने में वर्तमान पीढ़ी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्वार्थ का रास्ता अपनाते हैं, लेकिन सभी के हितों को प्राथमिकता देने से छात्रों की प्रतिभा निखरेगी। राष्ट्रपति उदयपुर में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा सशक्तीकरण का सबसे अच्छा माध्यम है।

उन्होंने कहा, हमने वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। आपकी पीढ़ी के योगदान के बल पर ही यह राष्ट्रीय लक्ष्य प्राप्त करना संभव होगा। मैं आशा करती हूं कि आप राष्ट्र निर्माण में यथाशक्ति का सर्वाधिक योगदान देंगे। उन्होंने कहा, मुझे आशा है कि आप अपने आचरण और कार्यों से अपने परिवार, समाज तथा देश का गौरव बढ़ाएंगे। इसी से आपकी शिक्षा की सार्थकता सिद्ध होती है। बाबा साहेब आंबेडकर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, बाबा साहेब का मानना था कि चरित्र, शिक्षा से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। वह मानते थे कि ऐसा शिक्षित व्यक्ति जिसमें चरित्र और विनम्रता न हो वह हिंसक जीव से भी ज्यादा खतरनाक होता है। उसकी शिक्षा से यदि गरीबों को हानि हो वह व्यक्ति समाज के लिए अभिशाप हो सकता है।

उन्होंने कहा, मेरा आप सभी से ये कहना है कि आप जहां भी हों, कोई ऐसा कार्य न करें जिससे आपके चरित्र पर लांछन आये। मुर्मू ने कहा कि आज के बदलते परिवेश में जब विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं ऐसे में विद्यार्थियों की विद्यार्थी की भावना को सदैव बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, आपको व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों का समन्वय बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। संवेदना एक प्राकृतिक गुण है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्वार्थ का मार्ग पकड़ लेते हैं लेकिन सबके हित को प्राथमिकता देने की विचारधारा आपकी प्रतिभा और अधिक निखारेगी। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने गुरुवार को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की उपस्थिति में उदयपुर में आयोजित मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 32 वें दीक्षांत समारोह में भाग लेकर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। बागडे ने समारोह में पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन का अनमोल पर्व है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय में सीखे हुए ज्ञान का उपयोग राष्ट्र के विकास और समृद्धि में करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ऐसा काम करें जिससे उनकी पहचान बन जाए, हर कदम ऐसा रखें कि निशान बन जाए और जिंदगी जीना हो तो ऐसी जिए की मिसाल बन जाए। बागडे ने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि उसे अपने जीवन में लागू करे। विद्यार्थी का इससे चहुंमुखी विकास संभव है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के सभी विश्वविद्यालयों में नेक रैंकिंग हो इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की चर्चा करते हुए कहा कि दशमलव का आविष्कार भारत में भास्कराचार्य द्वारा हुआ। भारत ज्ञान का आरंभ से ही केंद्र रहा है। इससे पहले बागडे ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के साथ विद्यार्थियों को प्रदत्त उपाधियां और पदक प्रदान करने में भी सहयोग किया।

राष्ट्रपति ने किया सिटी पैलेस म्यूजियम का अवलोकन

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने गुरूवार को उदयपुर प्रवास के दौरान सिटी पैलेस म्यूजियम का अवलोकन किया। महामहिम राष्ट्रपति गुरूवार दोपहर सिटी पैलेस पहुंची। इस दौरान राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े व उप मुख्यमंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा भी साथ रहे। वहां महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन के डॉ लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ व निवृत्तिकुमारी मेवाड़ ने उनकी अगवानी की। महामहिम ने सिटी पैलेस में स्थित म्यूजियम का अवलोकन किया। इस दौरान लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने महामहिम को म्यूजियम की अलग-अलग गैलेरी का अवलोकन कराते हुए उनका महत्व बताया। महामहिम राष्ट्रपति ने गुरुवार अपराह्न बाद माउंट आबू के लिए प्रस्थान किया।

पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को शारदीय नवरात्र स्थापना पर मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में सपरिवार विधिवत रूप से पूजा-अर्चना की। शर्मा ने मां दुर्गा की आराधना करते हुए प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन की प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

गुरुकुल में आग लगने से तीन छात्र झुलसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले में एक गुरुकुल में कथित तौर पर मच्छर भगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नीम के पत्तों से निकली चिंगारी के कारण लगी आग में तीन छात्र झुलस गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार को देई क्षेत्र के तलावास गांव में घटी, जब 14 लड़के हॉल के एक कोने में मच्छर भगाने के लिए सूखी नीम की पत्तियां जला रहे थे, जहां वे फोम के गद्दों पर सो रहे थे।

देई थाना प्रभारी बाबूलाल ने बताया कि देर रात पंखे और कूलर की हवा से राख से निकली चिंगारी फोम के गद्दे पर पड़ने से आग लग गई। बाबूलाल ने बताया कि रितेश शर्मा (13), शिवशंकर शर्मा (13) और अभिजीत शर्मा (12) 60 प्रतिशत झुलस गए। गुरुकुल के शिक्षक सुरेश शर्मा ने बताया कि उन्होंने बुधवार रात 10:30 बजे तक 14 बच्चों को बढ़ाया था। उन्होंने बताया कि कक्षाओं के बाद 10 लड़के बड़े हॉल में पंखे और कूलर चलाकर सोते थे, जबकि चार लड़के बाहर सोते थे। उन्होंने बताया कि लड़कों की चीख सुनकर वह तुरंत दौड़े और उन्हें आग से बचाया। हालांकि तब तक तीन लड़के झुलस चुके थे।

पहले नवरात्र पर मंदिरों और शक्ति पीठों में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शारदीय नवरात्रों की शुरुआत पर बृहस्पतिवार को राजस्थान के विभिन्न देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। बांसवाड़ा में त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, चित्तौड़गढ़ किले में कालिका माता मंदिर, जयपुर के आमेर किले में शिला देवी मंदिर और पुष्कर (अजमेर) में नौसर माता मंदिर जैसे प्रसिद्ध देवी मंदिरों में दिनभर भीड़ रही।

त्रिपुरा सुंदरी माता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल पंचाल ने बताया कि नवरात्र उत्सव के दौरान पूरे मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर तलवाड़ा में स्थित मंदिर में घटस्थापना पंडित निकुंज मोहन पंड्या के निर्देशन में हुई। मंदिर प्रबंधक जागेश पंचाल ने बताया कि दोपहर तक 10,000 से अधिक श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके थे। उन्होंने कहा, नवरात्रों के दौरान राजस्थान के विभिन्न भागों और पड़ोसी राज्यों जैसे मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात से श्रद्धालु मंदिर में आते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सुरक्षा और अन्य इंतजाम किए गए हैं। त्रिपुरा सुंदरी मंदिर राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध देवी मंदिरों में से एक है जहां देश भर से आम लोगों के अलावा राजनेता भी अक्सर आते हैं। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव नटवरलाल पंचाल ने बताया कि नवरात्रों के पहले दिन के लिए 12.25 क्विंटल विशेष प्रसाद तैयार किया गया है। चित्तौड़गढ़ किले में स्थित कालिका माता मंदिर में नवरात्रि के पहले दिन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महाआरती हुई। मंदिर महंत रामनारायण पुरी और ब्राह्मणों ने एकलिंग नाथ ट्रस्ट के पदाधिकारियों की मौजूदगी में महाआरती की।

नवरात्रों के नौ दिन के दौरान देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कालिका माता मंदिर पहुंचते हैं। मेवाड़ का पूर्व राजपरिवार चंडी पाठ का आयोजन करता है जो नौ दिनों तक चलता है और पूर्णाहुति के साथ अनुष्ठान पूरा होता है। चित्तौड़गढ़ किले के पर्यटक गाइड पवन नाथ ने बताया कि मां के इस मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मनोकामना लेकर आते हैं। जोधपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य गज सिंह ने मेहरानगढ़ किले में चामुंडा माता मंदिर में पूजा-अर्चना की। नवरात्रि के दौरान इस मंदिर में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं। इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

इसी तरह आमेर किले में जहां शिला माता के दर्शन के लिए श्रद्धालु उमड़े, वहीं अजमेर के पुष्कर रोड पर नौसर माता मंदिर में भी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। नौसर माता मंदिर के पुजारी ने बताया, इस मंदिर में श्रद्धालुओं की अटूट आस्था है और बड़ी संख्या में लोग आते हैं।

आदमखोर तेंदुआ पकड़ से बाहर, दहशत में जी रहे हैं बीस गांवों के लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर के पहाड़ी वन क्षेत्र में 'आदमखोर तेंदुआ' अब तक पकड़ में नहीं आया और गोगुंदा तथा बड़गांव उपखंड के करीब 20 गांवों के लोग दहशत में है। इन लोगों की दिनचर्या अपने घरों में रहने तक सिमट गई है। वन विभाग, पुलिस और सेना की टीमों के लगातार अथक प्रयासों के बावजूद आदमखोर तेंदुए को पकड़ा नहीं जा सका है। हालांकि, वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि जिस इलाके में तेंदुआ घूम रहा है उसे टीमों ने घेर लिया है और तेंदुए को मार डालने के साथ ही यह अभियान समाप्त होने की उम्मीद है।

इस आदमखोर तेंदुए के पिछले दो हमले जहां हुए, वह दो गांवों का इलाका है। यह उदयपुर शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर है। शुरू में जंगल के आसपास स्थित पांच पंचायत समितियों और 20 गांवों के करीब 20 किलोमीटर के दायरे में तलाश शुरू हुई। आदमखोर तेंदुए ने सभी सात शिकार इसी इलाके में किए हैं। अधिकारियों के अनुसार, जैसे-जैसे तेंदुए के हमलों की संख्या बढ़ती गई, तलाश तेज होती गई। टीमों ने उस इलाके की पहचान कर ली है, जहां तेंदुआ घूम रहा है।

गोगुंदा के थानाधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने बताया कि आदमखोर तेंदुए के हमले से डरे ग्रामीण एहतियात के तौर पर अपने घरों में ही रह रहे हैं, बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। मवेशियों के लिए चारा लेने जाने वाले पुरुष और महिलाएं भी लाठी लेकर निकल रहे हैं। वन विभाग ने मंगलवार को जानवर को मार गिराने की अनुमति जारी की। वन विभाग, पुलिस और सेना के 100 से अधिक जवानों ने गांव राठौड़ों का गुड़ा और केलवों का खेड़ा के पास के जंगल में इलाके को घेर लिया है जहां पिछले दो हमले हुए थे। वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि ये टीमें पूरे गांवों और आसपास के जंगल में चौबीसों घंटे तेंदुए की तलाश कर रही हैं।

सूत्रों ने बताया कि कल रात एक कांस्टेबल ने तेंदुए को देखा। तलाशी दल तेंदुए को परेशान करने और उसे पकड़ने के लिए पटाखे फोड़ रहे हैं और ढोल बजा रहे हैं। उनके अनुसार, केलवों की ढाणी में बरसाती नाले के पास जाल बिछाया गया है। पैरों के निशानों से तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस क्षेत्र में पहले कभी भी तेंदुओं ने इंसानों पर हमला नहीं किया है, लेकिन इस बार तेंदुआ का व्यवहार बदल गया है। स्थानीय ग्रामीण भगवती लाल ने बताया, महिलाएं और बच्चे घर के अंदर ही रह रहे हैं। पुरुष तेंदुए की खोज में लगे वन और पुलिस कर्मियों की मदद कर रहे हैं। हम मवेशियों के लिए चारा इकट्ठा करने नहीं जा रहे हैं। जिला वन अधिकारी अजय चित्तौड़ा ने पुष्टि की कि सातों हमलों के तरीके से पता चलता है कि ये सभी एक ही तेंदुए ने किए हैं और वह इंसानों को निशाना बना रहा है।

उन्होंने बताया, सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं, पुलिस और सेना के साथ-साथ उदयपुर, राजसमंद, जोधपुर और रणथंभौर के शूटरों की टीमें इसकी तलाश कर रही हैं। हैदराबाद से विशेषज्ञ शूटर भी मौके पर मौजूद हैं।

राठौड़ों का गुड़ा गांव के स्कूलों को एहतियातन बंद कर दिया गया है। लोगों को अकेले या रात के समय बाहर जाने से बचने की सलाह दी गई है और लोग भी समझदारी से सहयोग कर रहे हैं। वे किसी जरूरी काम या मेडिकल इमरजेंसी में लाठी साथ लेकर समूह में जाते है।। सोशल मीडिया के जरिए भी जानकारी दी जा रही है। पुलिस उपाधीक्षक गजेंद्र सिंह ने बताया कि आदमखोर तेंदुए को खोजने के लिए 100 से ज्यादा पुलिस और वनकर्मी लगे हुए हैं। तेंदुए के भागने के संभावित रास्तों के पास टीमें तैनात हैं, जो ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रशासन ने लोगों से अकेले न चलने और खासकर सुबह, शाम और रात के समय सतर्क रहने को कहा है। प्रशासन ने निर्देश दिया है, जहां मृत जानवर पड़े हों, वहां ज्यादा सतर्क रहें। अगर स्कूल गांव से दूर है, तो बच्चों को समूह में आना चाहिए। बच्चों को पूरे कपड़े पहनाएं। अगर वे निर्वस्त्र हैं, तो तेंदुआ भ्रमित होकर उन पर हमला कर सकता है।

कछावा वंश की कुलदेवी जमवाय माता के लिए दीया कुमारी का एलान, इस मंदिर जाने के लिए राह होगी आसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर राजवंश व कछावा राजपूतों की कुलदेवी जमवाय माता की राह अब आसान होने जा रही है। नवरात्र के पहले दिन डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने आज यानी गुरुवार को एलान किया है कि जमवाय माता मंदिर तक आने वाली सड़क को चौड़ा किया जाएगा।

बता दें कि शारदीय नवरात्र के पावन मौके पर जमवाय माता मंदिर के श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उप मुख्यमंत्री व सार्वजनिक निर्माण मंत्री दीया कुमारी ने जमवारामगढ़ क्षेत्र में गुढ़ा से वाया आंधी, रामगढ़ होते हुए जयपुर (छक-8) तक सड़क चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण के कार्य को स्वीकृति प्रदान की है। लगभग 15 करोड़ की लागत से इस सड़क के सुदृढ़ीकरण और डबल लेनिंग का काम शीघ्र ही शुरू हो जाएगा।

दीया कुमारी ने बताया कि बजट में की गई घोषणा के मुताबिक, जमवारामगढ़ में इस मार्ग के विकास से स्थानीय लोगों और जमवाय माताजी मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं का आवागमन सुलभ हो पाएगा। साल 2023-24 में हुई बजट घोषणा के मुताबिक, गुढ़ा से किशोर, सिद्धा का तिबारा, झिरी, आंधी और रामगढ़ होते हुए 11.30 किलोमीटर लंबी सड़क का दोहरीकरण का काम किया जाएगा। सार्वजनिक निर्माण विभाग जमवारामगढ़ के अधिशासी अभियंता के मुताबिक, इस सड़क के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए वन विभाग को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

पूजा-अर्चना

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने गुरूवार को अलवर जिले में करणी माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की तथा प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रा की शुभकामनायें दी।

राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा में आयोजित रिन्यूअल एनर्जी इंडिया एक्सपो के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। नागर ने एक्सपो में राजस्थान सोलर एसोसिएशन द्वारा आयोजित अग्रणी राजस्थान प्रदर्शनी एवं कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए नागर ने कहा कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा भू-भाग वाला राज्य है, जहां के पश्चिमी इलाकों में सोलर ऊर्जा उत्पादन के प्रोजेक्ट लगाने की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में अगर कोई पहली पसंद है तो वह राजस्थान है। हमारे प्रदेश के पास अतिरिक्त रेडिएशन है और हजारों किलोमीटर सीमावर्ती इलाका है, रेगिस्तान इलाके में हमारे पास जमीन है सोलर प्रोजेक्ट लगाए जाने की बेहतरीन दशाएं मौजूद हैं। नागर ने कहा कि किसी भी देश की जीडीपी को बढ़ाने के लिए एनर्जी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है एनर्जी के बिना संभव नहीं है कि विकास को बढ़ाया जा सके।

नागर ने कहा कि राजस्थान में आज 22000 मेगावाट सोलर एनर्जी का उत्पादन हो रहा है, लेकिन राजस्थान में जो उपयोग हो रहा है वह लगभग 5000 मेगावाट है। बाकी सरप्लस सोलर एनर्जी हम अन्य राज्यों को देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज 500 गीगावाट का लक्ष्य प्रधानमंत्री का है, अगर उस लक्ष्य को पूरा करना हैं तो 250 गीगावाट का सोलर राजस्थान में लगेगा तभी संभव हो पाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आगामी दिसंबर में आयोजित किए जा रहे राइजिंग राजस्थान कॉन्क्लेव में इन्वेस्टर्स को आमंत्रित करते हुए नागर ने कहा कि राजस्थान में ऊर्जा के क्षेत्र सहित किसी भी अन्य संभावित क्षेत्र में निवेश के लिए जो भी निवेशक आगे आना चाहते हैं वह राइजिंग राजस्थान कॉन्क्लेव में आकर सरकार के साथ भागीदारी को आगे बढ़ा सकते हैं। राजस्थान सरकार औधोगिक प्रोजेक्ट लगाने के लिए निवेशकों को उपयुक्त जमीन और अन्य सभी जरूरी सुविधाएं, रियायतें प्राथमिकता के साथ देने के लिए तैयार है।

जोधपुर में नशीली दवाइयों की बड़ी बरामदगी

जोधपुर। केंद्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की दिल्ली ब्रांच ने जोधपुर में एक बड़ी नशीली दवाओं की खेप बरामद की है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया और एक कार को भी जब्त किया गया। यह पूरी कार्रवाई 30 सितंबर को की गई, जिसकी जानकारी अब सीबीएन ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली की टीम ने जोधपुर के पास स्थित धवा गांव में नशीली दवाओं के खिलाफ कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान कुल 64,800 टैबलेट जब्त की गईं। कार्रवाई के बाद, टीम आरोपी के साथ दिल्ली रवाना हो गई, लेकिन स्थानीय नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को इस मामले की सूचना नहीं दी गई।

जोधपुर में इससे पहले भी नशीली दवाओं की खेप बरामद की जा चुकी है। सूरसागर और मोगड़ा क्षेत्रों में भी बड़ी मात्रा में नशीली दवाओं की खोज की गई थी।

नकाबपोश व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से हमला कर एक दुकानदार की हत्या की

बालोतरा। राजस्थान के बालोतरा जिले में दिनदहाड़े एक नकाबपोश व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से हमला कर एक दुकानदार की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटना जिले के पादरू कस्बे में हुई। पुलिस के अनुसार पुष्पलाल जैन (60) ने आम दिनों की तरह सुबह अपनी किराना की दुकान खोली, तभी बाइक पर सवार एक नकाबपोश व्यक्ति आया और कुल्हाड़ी से जैन के गले, सिर और सीने पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने जैन को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद बाजार बंद कर दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक नीरज शर्मा ने कहा, आरोपी का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की जा रही है।

हरियाणा के देशभक्त मतदाता भारत को मजबूती देने वाली पार्टी की सरकार चुनें : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को हरियाणा के लोगों को देशभक्त और कांग्रेस को 'विभाजनकारी' करार देते हुए कहा कि आज दुनिया भारत की ओर बहुत उम्मीद से देख रही है, लिहाजा वे राज्य में ऐसी सरकार चुनें जो भारत को मजबूती देने की दिशा में प्रयास करे।

राज्य में विधानसभा चुनाव के तहत पांच अक्टूबर को होने वाले मतदान के लिए प्रचार का शोर थमने से पहले मोदी ने मतदाताओं से एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने की अपील करते हुए दावा किया कि कांग्रेस कभी भी हरियाणा में स्थिर सरकार नहीं दे सकती और ना ही देश को मजबूत नहीं बना सकती है।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ''पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने हरियाणा के लोगों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम किया है। हमने सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। किसान हों, युवा हों, महिलाएं हों, गांव और शहरों का विकास हो, हमने कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। हम हरियाणा को कांग्रेस के घोटालों और दंगों वाले दौर से बाहर निकालकर लाए हैं।'' मोदी ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने लोगों का जो उत्साह देखा है, उससे

उन्हें पक्का विश्वास है कि हरियाणा के लोग भाजपा को फिर अपना आशीर्वाद देने वाले हैं। उन्होंने कहा, ''हरियाणा के देशभक्त लोग, कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''आज पूरी दुनिया की नजरें भारत पर हैं। दुनिया, भारत की ओर बहुत आशा और उम्मीद से देख रही है। ऐसे में यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हरियाणा के लोग एक ऐसी सरकार चुनें, जो भारत को मजबूती देने की दिशा में प्रयास करे। कांग्रेस कभी देश को मजबूत नहीं बना सकती।'' गांधी परिवार और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा के परिवार की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता जानती है कि 'कांग्रेस का मतलब भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता और भाई–भतीजावाद की गारंटी' है। उन्होंने कहा, ''बापू–बेटे की राजनीति का मूल उद्देश्य सिर्फ स्वार्थ है। कांग्रेस यानि दलाल और दामाद का सिंडिकेट...।'' उन्होंने दावा किया कि हिमाचल से कर्नाटक तक कांग्रेस की सरकारें विफल साबित हुई हैं और साथ ही आरोप लगाया कि कांग्रेस की नीतियां लोगों को तबाह करती हैं। उन्होंने कहा, ''हरियाणा की जनता यह जानती हैं कि कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती। हरियाणा के लोग देख रहे हैं कि कैसे कांग्रेस के नेता आपस में लड़ रहे हैं। ये हाल तब है, जब ये विपक्ष में हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि हरियाणा के लोगों को इस बात से भी चोट पहुंच रही है कि दिल्ली और हरियाणा में बैठे दो खास परिवारों के इशारे पर पूरा हरियाणा 'अपमानित' हो रहा है। कांग्रेस के नेताओं ने आरक्षण खत्म करने का बयान देकर अपने इरादे जता दिए हैं। हरियाणा का पिछड़ा और दलित समुदाय जातिगत हिंसा रोकने में विफल रहने पर पहले से ही कांग्रेस से नाराज चल रहा है। इसलिए लोगों ने कांग्रेस को कड़ी सजा देने का मन बना लिया है।

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में किसानों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए : टिकैत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजापुर/भाषा। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत ने कहा नक्सलवाद एक विचारधारा है, जिसे विचारधारा के जरिए ही खत्म किया जा सकता है तथा इस समस्या से निपटने के नाम पर किसानों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य के बस्तर क्षेत्र में ग्राम पर्यटन नीति शुरू करने पर भी जोर दिया और कहा कि इससे आदिवासियों के लिए आजीविका कमाने के अवसर पैदा होंगे।

टिकैत बीकेयू की बीजापुर जिला इकाई द्वारा यहां आयोजित किसान महापंचायत को संबोधित करने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। नक्सलवाद को खत्म करने के सवाल पर टिकैत ने कहा, ''नक्सलवाद एक विचारधारा है, जिसे विचारधारा के जरिए ही खत्म किया जा सकता है। लेकिन इस समस्या से निपटने के नाम पर किसानों को निशाना बनाना ठीक नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''क्या सभी मुठभेड़ों की जांच नहीं होनी चाहिए? ग्रामीण दोनों पक्षों (सुरक्षा बलों और नक्सलियों का जिक्र करते हुए) का खामियाजा भुगतते हैं। वे हथियार लेकर नहीं लड़ सकते। उन्हें सुरक्षाबलों के साथ–साथ नक्सलियों से भी अपनी रक्षा करनी होती है।'' किसान नेता ने कहा कि बस्तर क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग पलायन कर रहे है, ऐसे में पलायन के बाद क्या जमीन उद्योगपतियों को सौंप दी जाएगी?

उप्र में लेखपालों पर हमला करने के आरोप में चार महिलाओं समेत 16 गिरफ्तार

फर्रुखाबाद (उप्र)/भाषा। लेखपालों (राजस्व अधिकारियों) पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने बृहस्पतिवार को चार महिलाओं समेत 16 लोगों को गिरफ्तार किया। पिछले दो दिन से लेखपाल संघ की हड़ताल जारी रहने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 30 सितंबर को नवाबगंज थाना क्षेत्र के उखरा गांव में अवैध निर्माण के ढहाने के दौरान पुलिस अधिकारियों के साथ गए दो लेखपालों पर गुस्साए ग्रामीणों ने हमला कर दिया। नवाबगंज के थाना प्रभारी (एसएचओ) बलराज भाटी ने बृहस्पतिवार को मामले के सिलसिले में चार महिलाओं समेत 16 लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने कहा, मामले में शामिल आरोपियों को पहचान की पुष्टि होने के बाद गिरफ्तार किया गया। हालांकि, लेखपाल पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट हैं। उन्होंने पुलिस की ओर से लापरवाही का आरोप लगाया और एसएचओ भाटी को निलंबित करने समेत कई मांग की हैं।

हमें त्योहार के समय बाढ़ प्रभावित लोगों की परेशानी के बारे में सोचना चाहिए : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने त्योहारों के समय में राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को राहत–सामग्री भेजने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता बृहस्पतिवार को दोहराई। कोलकाता के बेहाला क्षेत्र में एक दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन करते हुए बनर्जी ने कहा कि त्योहार के दिनों में बाढ़ से प्रभावित लोगों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि दक्षिण और उत्तर बंगाल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को राहत सामग्री भेजी गई है, जिसमें चावल, दाल, आलू, सोयाबीन, सरसों का तेल और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले दो दिन में बारिश होने की संभावना है तथा षष्ठी से शुरू होने वाले त्योहार के बाद के चार दिन तक छिटपुट बारिश और धूप वाला मौसम रहने की उम्मीद है। ममता बनर्जी ने कुछ समूहों द्वारा दुर्गा पूजा में शामिल न होने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''पूजा कभी नहीं रुकती है।'' उन्होंने कहा, ''त्योहार कभी नहीं रुक सकते। दुर्गा पूजा के बाद अन्य त्योहार भी आएंगे।'' मुख्यमंत्री ने इससे पहले दिन में कोलकाता में कई दुर्गा पूजा स्थलों का उद्घाटन किया, जिनमें उत्तर कोलकाता में ताला प्रतोय, खिदिरपुर में 25 पल्ली, अलीपुर सर्बोजनिन, कोलाहोल, नोतुन दल और बारिशा क्लब शामिल थे।

मसौदा खेल नीति सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि भारत के उभरते खेल परिदृश्य के अनुरूप मौजूदा ढांचे का आधुनिकीकरण और उसे वर्तमान की जरूरतों के अनुसार तैयार करने के उद्देश्य से एक मसौदा खेल नीति सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी की गई है। मांडविया ने बताया कि मसौदा नीति को मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी किया गया है। इसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के साथ–साथ आम जनता और हितधारक भी अपनी राय दे सकते हैं। खेल मंत्री ने खेलो इंडिया कार्यक्रम की आम परिषद की चौथी बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस नीति को एक बार अंतिम रूप मिलने के बाद यह उन राज्यों के लिए भी एक मॉडल के रूप में काम करेगी, जिन्होंने अभी तक अपनी खेल नीति तैयार नहीं की है।

मांडविया ने बैठक के दौरान खेलो इंडिया कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की और खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए खेल के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में सुधार पर विस्तृत चर्चा की। खेल मंत्री ने इस दौरान केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और राष्ट्रीय खेल महासंघों के तहत प्रतिभा की पहचान और पोषण से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों के बीच आपसी तालमेल सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से सरकारी दृष्टिकोण के अनुसार आगे चलने पर जोर दिया।

मांडविया ने खिलाड़ियों के कल्याण, प्रतिभा पहचान और खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए उप समितियों के पुनर्गठन का भी निर्देश दिया। खेल मंत्री ने इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रालयों में खेलों से जुड़ी नौकरियों की जानकारी के लिए अलग से एक पोर्टल तैयार करने के लिए घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों को भी इस मंच का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

हाथरस भगदड़ मामला: मायावती ने आरोप पत्र में स्वयंभू बाबा का नाम शामिल नहीं किए जाने पर उठाये सवाल

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने हाथरस के फुलराई गांव में दो जुलाई को सत्संग के बाद मची भगदड़ के मामले में पुलिस द्वारा दाखिल आरोप पत्र में स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ 'भोले बाबा' का नाम शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाए। पुलिस ने हाथरस की अदालत में 3200 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसमें आरोपियों की सूची में सूरजपाल का नाम शामिल नहीं था। मायावती ने आरोप लगाया कि 11 आरोपियों की सूची में सूरजपाल का नाम शामिल नहीं किए जाने का मतलब है कि उसे राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है। इस भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। बसपा प्रमुख ने लिखा, ''इस भगदड़ कांड के संबंध में दाखिल आरोप पत्र में सूरजपाल सिंह उर्फ 'भोले बाबा' का नाम नहीं होना जनविरोधी राजनीति है। इससे साबित होता है कि ऐसे लोगों को राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है, जो अनुचित है।'' अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा मीडिया के अनुसार सिकंदराराऊ की इस घटना को लेकर आरोप पत्र में 11 सेवादारों को आरोपी बनाया गया है, लेकिन बाबा सूरजपाल के बारे में सरकार द्वारा पहले की तरह चुप्पी क्या उचित है?

सरकार में बदलाव से विश्वविद्यालयों का कामकाज प्रभावित नहीं होना चाहिए: बोस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार में बदलाव से विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक कामकाज में कभी बाधा नहीं आनी चाहिए, चाहे वह राज्य स्तर पर हो या राष्ट्रीय स्तर पर।

बोस कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। वह यहां प्रमाणपत्र और पदक वितरण समारोह के दौरान राज्य द्वारा संचालित उच्च शिक्षण संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, ''राजनीतिक दल आते–जाते रहते हैं, लेकिन विश्वविद्यालयों को सदैव चलते रहना चाहिए।'' उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कलकत्ता विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में उत्कृष्टता राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव से अप्रभावित रहती है। बोस ने विश्वविद्यालयों को अकादमिक उत्कृष्टता के मार्ग पर आगे बढ़ाने के लिए मिशन, दृष्टि और एक्शन के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान की तलाश एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, ''किसी के लिए भी शिक्षा के लिए कोई पूर्ण विराम नहीं होता है।'' राज्यपाल बोस ने नई शिक्षा नीति, 2020 के लाभों पर चर्चा की। पत्रकारों से बात करते हुए बोस ने ''भुखमरी की बढ़ती घटनाओं'' के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''ऐसी घटनाओं को रोकना किसी भी सभ्य समाज और सरकार की जिम्मेदारी है।''

नौकरी के उम्मीदवारों का ओडिशा के मंत्री के आवास के पास प्रदर्शन, परीक्षा रद्द करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। नौकरी के आकांक्षी कई उम्मीदवारों ने विभिन्न पदों पर भर्ती में कथित अनियमितताओं के विरोध में बृहस्पतिवार को ओडिशा के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज के आवास के बाहर प्रदर्शन किया।

इसी मांग को लेकर नौकरी के आकांक्षी सैकड़ों छात्रों ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने ओडिशा अधीनस्थ कर्मचारी चयन आयोग (ओएसएसएससी) द्वारा राजस्व निरीक्षकों (आरआई), आईसीडीएस पर्यवेक्षकों, सहायक आरआई, अमीन के जिला कैडर पदों की भर्ती में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाया।

ओएसएसएससी उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आता है और कुल 2,895 रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती अभियान चला रहा है। उम्मीदवारों ने ऑनलाइन परीक्षा रद्द करने की मांग की और सरकारी पदों के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर ऑफलाइन परीक्षा का सुझाव दिया।

भर्ती के लिए प्रारंभिक लिखित परीक्षा की प्रक्रिया 20 सितंबर को शुरू हुई और 20 अक्टूबर तक जारी रहेगी। उन्होंने परीक्षा के तरीके पर भी संदेह जताया और प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया।

कटक में कई उम्मीदवारों ने परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर रैली निकाली। यह रैली बादामबाड़ी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस बस टर्मिनल से जिलाधिकारी कार्यालय तक निकाली गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने परीक्षा आयोजित करने के लिए काली सूची में डाली गई कंपनियों की सेवाएं ली। रैली के दौरान नारे लगाते हुए उम्मीदवारों ने कहा, ''हम पारदर्शिता और परीक्षा रद्द करने की मांग करते हैं।'' सूत्रों ने बताया कि उम्मीदवारों ने बौध जिले में भी इसी तरह की रैली की, जहां पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

ओडिशा में तेंदुओं की पहली गणना में इस प्रजाति के 696 प्राणी पाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में राज्य प्रायोजित तेंदुओं की पहली गणना में प्रदेश के विभिन्न वन क्षेत्रों में इस प्रजाति के 696 प्राणियों की मौजूदगी का पता चला है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ओडिशा वन विभाग की गणना रिपोर्ट बृहस्पतिवार को यहां राज्य वन्यजीव सप्ताह मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जारी की गई। 'ऑल ओडिशा लेपर्ड एस्टीमेशन' पर टिप्पणी करते हुए, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) वन्यजीव, सुशांत नंदा ने कहा कि सिमिलिपाल बाघ अभयारण्य और आसपास के क्षेत्रों में लगभग 200 तेंदुए पाए गए, जो प्रदेश में सबसे अधिक हैं।

नंदा ने कहा कि सतकोसिया क्षेत्र इन पशुओं के लिए एक और आशाजनक स्थल बन गया है, जहां 150 के करीब तेंदुए मिले हैं। अधिकारी ने बताया कि अभयारण्य के बाद सतकोसिया में तेंदुए की सबसे अधिक आबादी है और यह दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि गणना के दौरान, संबलपुर जिले के हीराकुंड, रेधाखोल और संबलपुर क्षेत्रों में 70 से 80 जंगली तेंदुए पाए गए, जिसके बाद नुआपाड़ा जिले के सुनाबेड़ा और खारियार के जंगलों में 40 तेंदुए मिले। इस रिपोर्ट में कहा गया है, ''ओडिशा में तेंदुओं की 45 प्रतिशत आबादी संरक्षित क्षेत्र के बाहर स्थित है... प्रादेशिक वन प्रभागों में तेंदुओं की काफी मौजूदगी है।''

इसमें कहा गया है कि 47 वन प्रभागों में विभिन्न संकेतों के माध्यम से तेंदुए की उपस्थिति की पहचान करने के लिए यह गणना की गयी थी, जिसमें पैरों के निशान, खरोंच, मल, रेक, मूत्र स्प्रे, आवाज और पशुधन की लूट शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि तेंदुओं के प्रत्यक्ष या परोक्ष सबूतों की पुष्टि वाले स्थलों पर कैमरा ट्रैप का इस्तेमाल करके निगरानी की गई।

बरेली: पटाखा इकाई विस्फोट मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, मृतकों की संख्या छह हुई

बरेली (उप्र)/भाषा। अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में छह लोगों की मौत के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि मलबे से चार व पांच साल के दो बच्चों के शव निकाले गए, जबकि घायलों में से एक सितारा (32) ने अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिसके साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने कहा कि विस्फोट रहमान शाह नामक व्यक्ति के घर पर हुआ, जिसके बाद इलाके के कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने कहा कि मामले में मुख्य आरोपी नासिर शाह को बृहस्पतिवार को सिरौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

एसएसपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि शाह के पास केवल पटाखे बेचने का लाइसेंस है और वह अपने ससुर रहमान शाह के मकान में अवैध पटाखा फैक्टरी का संचालन कर रहा था, जहां यह घटना हुई।

वजन का प्रबंधन करना एथलीट की जिम्मेदारी है : मैरीकॉम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। छह बार की विश्व चैम्पियन मुक्केबाज एम सी मैरीकॉम ने बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक में 100 ग्राम से अधिक वजन होने के कारण पहलवान विनेश फोगाट को हुई निराशा को लेकर इस विवाद पर कहा कि निर्धारित सीमा के भीतर वजन बनाये रखना खिलाड़ी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है।

चार बच्चों की मां और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम (42 वर्ष) ने यहां एक कार्यक्रम के इतर पहली बार विनेश के बारे में बोलते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक में समय सीमा में वजन का प्रबंधन करना एथलीट की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ''मैं इतनी निराश हुई थी कि मैंने भी पिछले इतने वर्षों से यही वजन प्रबंधन किया है। वजन महत्वपूर्ण होता है, यह मेरी जिम्मेदारी है। मैं किसी अन्य को दोषी नहीं ठहरा सकती।''

मैरीकॉम ने कहा, ''मैं उसके (विनेश) मामले में यह नहीं कहना चाहती हूं। मैं यह सिर्फ अपने मामले में ही कह रही हूं। अगर मैं अपना वजन ही सही तरह से नहीं घटा पाऊंगी तो मैं कैसे खेलूंगी? मैं वहां पदक जीतने के लिए थी, मुझे ऐसा ही लगता है।''

मैरीकॉम पहले भी अपने वजन कम करने का रूटीन बता चुकी हैं कि यह प्रक्रिया कितनी मुश्किल हो सकती है। मणिपुर की इस मुक्केबाज ने पिन वेट (46 किग्रा) वर्ग से शुरूआत की और फिर अपने अमेच्योर कैरियर में फ्लाईवेट (51 किग्रा) वजन में खेलने लगीं। पेरिस में स्वर्ण पदक दावेदार मानी जा रही विनेश ने खाना पीना छोड़कर पूरी रात 'वर्कआउट' किया और अपने बाल भी कटाये लेकिन फिर भी वह 100 ग्राम से चूक गईं।

मैरीकॉम खेल मंत्री मनसुख मांडविया से भारतीय मुक्केबाजी पर चर्चा करना चाहती हैं क्योंकि वह पेरिस ओलंपिक में देश के मुक्केबाजी अभियान से अब तक नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय महासंघ और खेल मंत्री से मिलकर बात करके समझना चाहती हूं कि 'किस चीज की कमी' हो रही है।

भारतीय मुक्केबाजी दल में दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन शामिल थीं लेकिन देश के नाम एक भी पदक नहीं हो सका।

लंदन 2012 ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर भारत की ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला मुक्केबाज बनी मैरीकॉम ने कहा, ''हम नतीजा जानते हैं, यह बहुत बुरा था। मैं जानना चाहती हूं कि किस चीज की कमी है।''

राज्यसभा की पूर्व सदस्य मैरीकॉम कहा, ''अगर जरूरत पड़ी तो मैं मुक्केबाजों से भी मिलूंगी। अगर खेल मंत्री को इसकी जानकारी है तो मैं उनसे भी इस पर चर्चा करना चाहूंगी।'' उन्होंने यह भी दोहराया कि वह पेशेवर मुक्केबाजी में हिस्सा लेना चाहती हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने अभी तक संन्यास नहीं लिया है लेकिन मैं हिस्सा लेना चाहती हूं। मैं मौके हासिल करने की कोशिश कर रही हूं, पेशेवर मुक्केबाजी में लड़ने के लिए अपने मौके का इंतजार कर रही हूं। मैं वापसी करना चाहती हूं।'' मैरीकॉम ने कहा, ''मैं तीन–चार साल और जारी रह सकती हूं, यही मेरी इच्छा है। मेरे अंदर जुनून और भूख है और मैं जारी करना चाहती हूं।''

अगर भारत को अच्छा प्रदर्शन करना है तो आयु वर्ग के खेल में बहुत सुधार करना होगा : भूटिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के दिग्गज फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने गुरुवार को कहा कि अगर सीनियर राष्ट्रीय टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव छोड़ना है तो आयु वर्ग स्तर के खेल में बहुत अधिक सुधार करना होगा।

भारत की तरफ से 100 से अधिक मैच खेलने वाले और 42 अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले भूटिया ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ), राज्य संघों, आई–लीग और आईएसएल क्लबों से अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू करने के लिए भी कहा।

भूटिया ने अपनी अकादमी, बाईचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल (बीबीएफएस) और प्रीमियर लीग टीम साउथेम्प्टन फुटबॉल क्लब के बीच साझेदारी की घोषणा करते हुए कहा, ''भारत की (सीनियर) राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो मेरा मानना है कि हमारी अंडर17, अंडर19 और अंडर20 टीमों को योग्यता के आधार पर एशिया कप और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना शुरू करना होगा।'' उन्होंने कहा,''जब तक ऐसा नहीं होता है हमारी राष्ट्रीय टीम के लिए अच्छे परिणाम देना लगभग असंभव है। आयु वर्ग वह जगह है जहां हम अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का सपना देखना शुरू कर सकते हैं।''इस दिग्गज खिलाड़ी का उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेल को मजबूत करना है। भूटिया ने कहा, ''अगर हम विशेष रूप से आयु वर्ग के टूर्नामेंटों के परिणामों पर गौर करें तो हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। हमारी अंडर20 खिलाड़ी बांग्लादेश से हार रही है। हम एशिया कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस तरह की परिस्थितियों में हम सीनियर टीम से चमत्कार की उम्मीद नहीं कर सकते। हमें जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है। एआईएफएफ के लिए यह जरूरी है कि वह अधिक से अधिक बच्चों को इस खेल से जोड़े।''

सुविचार

आप कोई चीज तब तक नहीं कर सकते, जब तक आप उसकी कल्पना नहीं करते!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे सुनिश्चित हो सार्वजनिक स्वच्छता?

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर जो चिंता जाहिर की है, वह हर विवेकशील मनुष्य को होनी स्वाभाविक है। एक तरफ तो हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बातें कर रहे हैं, दूसरी तरफ सार्वजनिक स्थानों पर फैली गंदगी हमारी छवि खराब कर रही है। कई विदेशी पर्यटक स्वदेश लौटने के बाद सोशल मीडिया पर लिखते हैं कि वे भारतवासियों द्वारा किए गए स्वागत-सत्कार और विभिन्न स्थलों को देखकर मंत्रमुग्ध हुए, लेकिन स्वच्छता की अनदेखी बहुत अखरी ... किसी का जहां मन किया, थूक दिया ... जहां चाहा, कचरा फेंक दिया! वास्तव में ऐसी समस्या सिर्फ भारत में नहीं है। पाकिस्तान और बांग्लादेश का भी यही हाल है। लोग अपने घरों को साफ रखने की कोशिश करते हैं, जबकि सार्वजनिक स्थानों पर जर्दा, तंबाकू, पान मसाला आदि खाकर धड़ल्ले से थूकते हैं। कई रेलवे स्टेशनों, बस डिपो, सरकारी दफ्तरों, अस्पतालों, सार्वजनिक शौचालयों की दीवारें इससे रंगी हुई मिलेंगी। यहां रोज़ाना कोई-न-कोई शख्स आकर अपना 'योगदान' जरूर देता है। उसे न तो इस बात का एहसास होता है कि सार्वजनिक स्थान पर थूकना अशिष्टता है और न ही इस बात का बोध होता है कि यूं थूकने से अन्य लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर संकट पैदा हो सकता है। अगर ऐसे लोगों को कोई टोकता है तो वे अपनी गलती मानने के बजाय उससे झगड़ा करने लग जाते हैं। नितिन गडकरी का यह सुझाव स्वागत-योग्य है कि पान मसाला खाने के बाद सड़क पर थूकने वाले लोगों की तस्वीरें खींचकर उन्हें अखबारों में प्रकाशित करना चाहिए, ताकि लोग उन्हें देख सकें।

यह प्रयोग कुछ लोगों की आदत में सुधार लाने के लिए कारगर सिद्ध हो सकता है। हालांकि इसका दूसरा पहलू भी है। कई लोग, जो सार्वजनिक स्वच्छता के मुद्दे को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं हैं और नियम तोड़ने पर गर्व महसूस करते हैं, वे अपनी तस्वीरें अखबार में छपी हुईं देखकर फूले नहीं समाएंगे और अपने 'कारनामे' का यह कहते हुए जोर-शोर से प्रचार करेंगे कि हमारे चर्चे तो अखबारों में होने लगे हैं, हम सेलिब्रिटी बन गए हैं! ऐसे लोगों को हतोत्साहित करने और अन्य लोगों को जागरूक करने के लिए कुछ खास कदम उठाए जा सकते हैं। जिन सार्वजनिक स्थानों पर ज्यादा तादाद में लोग थूकते हैं, वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। उसके बाद जो लोग वहां थूकते पाए जाएं, उनसे उस जगह की सफाई करवाई जाए। उनकी वे तस्वीरें अखबारों या सोशल मीडिया आदि में प्रकाशित की जाएं। साथ ही कुछ जुर्माना वसूला जाए। इन लोगों की एक सूची तैयार की जाए। उन्हें यह चेतावनी भी दी जाए कि अगली बार सार्वजनिक स्थानों पर थूकते पाए गए तो उस जगह की सफाई तो करनी ही होगी, उसके अलावा एक और स्थान, जिसमें किसी रेलवे स्टेशन या ट्रेन, बस डिपो, सरकारी दफ्तर, अस्पताल या सार्वजनिक शौचालय को शामिल किया जा सकता है, की सफाई करनी होगी। जुर्माना भी पिछली बार से ज्यादा लगेगा। सार्वजनिक स्वच्छता सुनिश्चित करने में सिंगापुर ने बहुत प्रगति की है। वहां सार्वजनिक स्थानों पर थूकने, कचरा फेंकने और गंदगी फैलाने वालों पर सीसीटीवी से कड़ी नजर रखी जाती है और तगड़ा जुर्माना भी लगाया जाता है। वहां हाल में एक भारतीय को किसी शॉपिंग मॉल के प्रवेश द्वार पर गंदगी फैलाने के अपराध में पकड़ा गया और उस पर लगभग 26 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। जज ने उसे चेतावनी दी कि अगर अगली बार गंदगी फैलाते दिखे तो इससे ज्यादा जुर्माना लगाया जाएगा। स्थानीय अख़बारों ने इस मामले को प्रकाशित किया, जिससे अन्य लोगों को भी सबक मिला। भारत में कुछ स्थानों पर प्रयोग के तौर पर ऐसी प्रणाली स्थापित की जाए। उसके अनुभवों के आधार पर अन्य स्थानों पर उसका विस्तार किया जाए। अगर इस पर ईमानदारी से काम किया गया तो कुछ ही वर्षों में सार्वजनिक स्थान बिल्कुल स्वच्छ नजर आने लगेंगे।

ट्वीटर टॉक

आज पूरी दुनिया की नजरें भारत पर हैं। दुनिया, भारत की ओर बहुत आशा और उम्मीद से देख रही है। ऐसे में यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हरियाणा के लोग एक ऐसी सरकार चुनें, जो भारत को मजबूती देने की दिशा में प्रयास करे।

-नरेन्द्र मोदी

महाराजा अग्रसेन जी की पावन जयंती के अवसर पर उन्हें नमन और प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! समाज के सभी वर्गों के उत्थान व कल्याण हेतु उनके द्वारा किए गए कार्यों और उनकी शिक्षाओं को सदैव याद रखा जाएगा।

-वसुंधरा राजे

आदिशक्ति माँ भगवती के आराधना उपासना के पावन पर्व शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। देवी माँ की कृपा समस्त देशवासियों पर बनी रहे, चहुंओर आरोग्यता, खुशहाली और समृद्धि का वास हो, मेरी यही मंगलकामना है।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

क्रोध से मुक्ति

एक व्यापारी एक महात्मा के पास जाकर बोला, 'मैं अपने क्रोध की आदत से छुटकारा पाना चाहता हूं। कृपया मार्ग बताएं।' महात्मा बोले, 'तुम कल सुबह आना।' दूसरे दिन जब व्यापारी महात्मा के पास पहुंचा तो वह पास ही एक नदी में खड़े हुए थे। व्यापारी को लगा, महात्मा स्नान कर रहे हैं। इसलिए वह किनारे पर बैठकर उनकी प्रतीक्षा करने लगा। दोपहर हो गई पर महात्मा जी बाहर नहीं आये। तब अधीर होकर व्यापारी बोला, 'महात्मा जी आपने मुझे क्रोध से निजात पाने का उपाय बताने के लिए आज बुलाया था।' 'हां, पुत्र मुझे स्मरण है। मगर यह नदी मुझे छोड़ती ही नहीं। यह मुझमें समाई हुई है। मैं बाहर नहीं निकल पा रहा। निकलते ही तुम्हें उपाय बता दूंगा।' व्यापारी ने कहा, 'महात्मा जी यह नदी आपमें नहीं समाई है। आप इसमें समाए हो। कृपया बाहर निकलने का प्रयत्न करिए।' महात्मा ने पैर आगे बढ़ाया और झट से बाहर निकल कर बोले, 'तुमने बिल्कुल ठीक कहा पुत्र। मैं ही नदी में समाया हुआ था। बिल्कुल ऐसे ही क्रोध ने तुम्हें नहीं पकड़ रखा, तुमने ही क्रोध को पकड़ रखा है। इससे बाहर निकलने का यत्न करो पुत्र।' महात्मा की बात सुनकर व्यापारी ने कहा, 'आप ठीक कहते हैं महात्मा जी। आज से ही मैं क्रोध से मुक्ति का यत्न करूंगा।'

सामयिक

कर्मचारियों की सेहत पर भारी कंपनी की सफलता?

सोनम लववंशी
मोबाइल : 70008 54500

पुणे की 26 वर्षीय एना, एर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में काम करती थी। वह अपने स्कूल और कॉलेज की टॉपर थी और कम उम्र में सीए क्वालीफाई करके इस बड़ी कंपनी का हिस्सा बनी थी। यह उसके माता-पिता का सपना था कि उनकी बेटी एक अच्छे संस्थान में काम करे और भविष्य को उज्ज्वल बनाए। लेकिन, किसी ने भी यह नहीं सोचा था कि वह कंपनी उसके लिए अवसरों का द्वार नहीं, बल्कि उसकी जान लेने का कारण बनेगी। अत्यधिक कार्यभार और मानसिक दबाव के चलते एना की हार्ट अटैक से मौत हो गई। ऐसे में यह सवाल उठाता है, क्या काम के दबाव से किसी की मौत हो सकती है? एना की मां ने ईवाई के अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी बेटी की मौत के लिए न्याय की मांग की है। उन्होंने बताया कि एना को इतना काम सौंपा जाता था कि वह चैन से सो भी नहीं पाती थी। देर रात तक मैनेजर कॉल करके रिपोर्ट तैयार करने का दबाव डालते थे। सवाल उठता है, क्या कंपनियों को कर्मचारियों पर इतना दबाव डालने का अधिकार है कि वे मानसिक और शारीरिक रूप से टूट जाएं? आख़िर ऐसे में कहां गए संवैधानिक अधिकार और कहां गुम हो गया नैतिकतावादी दृष्टिकोण? जिस तरीक़े के सवाल या यूं कहें आरोप एना की मां कंपनी पर लगा रही तो यह वक्त है सचेत हो जाने का, क्योंकि कोई भी कंपनी या काम किसी के जीवन से बढ़कर तो नहीं?

वैसे अक्सर कंपनियां इस बात को अनदेखा कर देती हैं कि कर्मचारियों पर अत्यधिक काम का दबाव न सिर्फ उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उनकी शारीरिक सेहत के लिए भी हानिकारक होता है। वर्कप्लेस स्ट्रेस को नज़रअंदाज़ करने का परिणाम कितना भयावह हो सकता है, यह एना की दुखद मौत से ये बात तो स्पष्ट हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की एक रिपोर्ट की मानें तो, 2016 में लंबे समय तक काम के दबाव के चलते 7 लाख 45 हजार लोगों की मौत हो गई। 55 घंटे या उससे अधिक समय तक काम करने से स्ट्रोक का खतरा 35 प्रतिशत और कोरोनरी हार्ट डिजीज का खतरा 17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। क्या कंपनियों का टॉक्सिक वर्क कल्चर कर्मचारियों की सेहत के लिए घातक हो सकता है?

आज, खासकर कॉर्पोरेट जगत में, कर्मचारियों पर काम का दबाव इतना बढ़ गया है कि उनकी निजी जिंदगी और सेहत बुरी तरह प्रभावित हो रही है। भारत जैसे देश में, जहां वर्किंग ऑवर्स का औसत अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक है, कर्मचारी मानसिक और शारीरिक तनाव से जूझ रहे हैं। एना की मौत ने इस टॉक्सिक कल्चर को उजागर किया है, जहां कर्मचारियों को आराम और मानसिक शांति से वंचित किया जा रहा है। अक्सर, युवा कर्मचारी अपने बॉस या सीनियर्स को काम के दबाव के बारे में बताने से हिचकिचाते हैं। उन्हें डर होता है कि कहीं उनकी नौकरी न चली जाए। इस डर के कारण वे खुद को और अधिक काम में डुबो लेते हैं, जिससे उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों बुरी तरह प्रभावित होता है। क्या कर्मचारियों के पास अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का विकल्प होना चाहिए? निःसन्देह कंपनियों को कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान देने की जरूरत है। एना की तरह बहुत से कर्मचारी काम के दबाव से टूट रहे हैं और इसके परिणामस्वरूप अवसाद, चिंता और हृदय रोग जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं।

एना की मौत ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या वर्कप्लेस पर तनाव और टॉक्सिक वर्क कल्चर को खत्म करने के लिए किसी प्रकार का बदलाव जरूरी नहीं है? कंपनियों को कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की देखभाल करनी चाहिए और उन्हें स्वस्थ, संतुलित और सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करना चाहिए। क्या कंपनियों को वर्किंग ऑवर्स और काम के दबाव को नियंत्रित करने के लिए सख्त नीतियों की आवश्यकता नहीं है? एक स्वस्थ कार्य वातावरण न केवल कर्मचारियों के लिए, बल्कि कंपनी की उत्पादकता के लिए भी आवश्यक है। एना की मौत एक चेतावनी है कि कंपनियों को अपने कर्मचारियों की सेहत और मानसिक शांति को प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर कंपनियां अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य की अनदेखी करती हैं, तो इसका असर उनकी उत्पादकता और अंततः कंपनी के भविष्य पर भी पड़ेगा। इसीलिए यह जरूरी है कि टॉक्सिक वर्क कल्चर को समाप्त किया जाए और कर्मचारियों की भलाई को प्राथमिकता दी जाए। तभी बेहतर स्थिति का निर्माण किया जा सकता है। जो कर्मचारियों और कम्पनियों सभी के लिए फायदेमंद होगा।

विशेष

नौ शक्तियों का मिलन पर्व है नवरात्रि

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

आदि शक्ति दुर्गा की पूजा के पावन पर्व नवरात्रि की शुरूआत हो चुकी है। नवरात्रि के ये दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। शारदीय नवरात्रि की शुरूआत इस वर्ष 3 अक्तूबर से हुई है, जिनका समापन 12 अक्तूबर को होगा। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्ज्वल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है। दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्ज्वल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं। नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त सिद्धिदात्री महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

नजरिया

हमारे जीवन मूल्यों से जुड़ा है पशु कल्याण

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

पशुओं के अधिकारों के बारे में जागरुकता फैलाने के लिये दुनिया भर में हर साल चार अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस आयोजन का उद्देश्य पशुओं के कल्याण के मानक में अपेक्षित सुधार लाना है। विश्व के सभी देशों में अलग-अलग तरह से इस दिवस को मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम द वर्ल्ड इज देयर होम टू रखी गई है। इस दिवस का मूल उद्देश्य विलुप्त हुए प्राणियों की रक्षा करना और मानव से उनके संबंधो को मजबूत करना है। जन जागरण और जन शिक्षण के माध्यम से पशुओं को संवेदनशील प्राणी का दर्ज़ा देने के लिए समाज के सभी वर्गों का योगदान आवश्यक है। पशुओं के प्रति सम्वेदना के मामले में हम भारतीय सौभाग्यशालीं है क्योंकि हमारे यहाँ जीवन मूल्यों के साथ पशुओं के कल्याण को जोड़ा है। हमारे पौराणिक आख्यानों में जो दशावतार हैं उनमें से दो वराह और नृसिन्ह अवतार भी थे।

हमारे देश में पशु संरक्षण की सुदीर्घ और स्वस्थ परम्परा रही है जिसका निर्वहन हम आदिकाल से कर रहे है। यह दिवस जानवरों से प्रेम करने वाले और उन्हें सम्मान देने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है। यह पशु प्रेमी दिवस के नाम से भी जाना जाता है। इस दिवस का आयोजन 1931 ईस्वी परिस्थिति विज्ञानशात्रियों के सम्मलेन में इटली के शहर फ्लोरेंस में शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य विलुप्त हुए प्राणियों की रक्षा करना और मानव से उनके संबंधो को मजबूत करना था। आदिकाल से ही पशुओं और

मनुष्य का संग रहा है। जंगली पशुओं को पालतू बनाया गया। उनसे फिर काम लिया गया। पालतू पशु भी घर परिवार के एक सदस्य की तरह ही हो जाता है।

इस दिवस को मनाने के कई अन्य कारण भी है। इनमें जानवरों के प्रति प्रकट किये जाने वाले घृणास्पद व्यवहार, आवारा कुत्तों और बिल्लियों के प्रति व्यवहार, उनका अमानवीय व्यापार आदि प्रमुख कारण है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा के समय भी इन जानवरों के प्रति दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता था और उनकी सुरक्षा के प्रति लापरवाही बरती जाती थी। पशु-उत्पीड़न कोई नई समस्या नहीं है। सदियों से पशुओं के साथ बुरा व्यवहार होता आया है। इतिहास की पुस्तकों से पता चलता है कि मानव का पहला साथी कुत्ता बना क्योंकि इसकी स्वामिभक्ति पर आज तक किसी प्रकार का संदेह व्यक्त नहीं किया गया। जैसे-जैसे मानव घर बसाकर रहने लगा, उसे खेती करने की आवश्यकता हुई वैसे-वैसे पशुओं का महत्व भी बढ़ता गया।

आर्य संस्कृति में गौ-जाति का बड़ा महत्व था, जिसके पास जितनी अधिक गाएँ होती थीं वह उतना ही प्रतिष्ठित और संपन्न माना जाता था। ऋषि-मुनि भी गौ पालते थे, वनों में घास की उपलब्धता प्रचुर थी। समय के साथ-साथ मनुष्य की आवश्यकताओं का विस्तार हुआ, तब उन्होंने गाय, भैंस, बैल, बकरी, ऊँट, घोड़ा, गदहा, कुत्ता आदि पशुओं को पालना आरंभ किया। युद्ध के मैदानों में घोड़ों और हाथियों की उपयोगिता अधिक थी। राजे-महाराजे इन पशुओं को बड़ी संख्या में पालते थे। मशीनीकृत वाहनों के आविष्कार के पहले घोड़ा सबसे तेज गति का संदेशवाहक था। चाहे वस्तुओं की दुलाई हो अथवा मनुष्यों की हमारे घरेलू पशु इसके एकमात्र साधन थे। ग्रामीण भारत में बैलगाड़ियों की उपयोगिता आज भी बरकरार है।

इतनी सारी उपयोगिताओं के बावजूद पशुओं का उत्पीड़न मानवीय बुद्धिमत्ता की कसौटी पर खरा नहीं उतरता। घरेलू पशुओं को मल-मूत्र से युक्त कीचड़ में बैठने तथा खड़े होने के लिए विवश कर दिया जाता है। गाड़ियों में हाँके जाने वाले पशुओं को प्राय इतनी निर्दयता से पीटा जाता है मानो वे निष्प्राण वस्तुएँ हों।

हमें हमेशा पशु पक्षियों के प्रति प्रेम और सद्भाव से पेश आना चाहिए। वह भी हमारी तरह खुशी और दुःख के भाव महसूस करतें हैं। वे बोल नहीं सकतें पर उनकी अपना बोली है। कहीं लोग पक्षी पालतें हैं। पिंजरें में पक्षियों को रखकर पालना गलत है। पक्षी स्वभाव से आजाद है उनको आजाद छोड़ना ही सही होगा है। यदि हम किसी पीड़ित जानवर को देखें तो उसकी मदद करनी चाहिए। पशुवों के चिकित्सक के पास ले जाकर उसकी इलाज करवाना बड़े पुण्य का काम होगा। पशु पक्षी भी पीड़ा महसूस करतें हैं। बहुत कम लोगों में पशु पक्षी के प्रति प्रेम भावना जीवित हैं। अगर किसी में यह न भी हो तो कम से कम उन्हें तंग न करें। किसी छोटे बच्चे को किसी प्राणी पर अन्याय करते हुए देखें तो उन्हें रोकें और समझाएं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कूटनीतिक फेरबदल के बीच बांग्लादेश ने भारत से अपने राजदूत को वापस बुलाया

ढाका/भाषा

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने नई दिल्ली में अपने उच्चायुक्त सहित पांच दूतों को वापस बुला लिया है। इसके साथ ही सरकार ने घरेलू प्रशासन के साथ-साथ राजनयिक सेवा में भी दूसरे चरण का फेरबदल किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

मुख्य सलाहकार के रूप में प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने नवीनतम फेरबदल के तहत भारत, ब्रुसेल्स, कैनबरा, लिस्बन और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के स्थायी मिशन में बांग्लादेश के दूतों को तत्काल वापस लौटने और यहां विदेश मंत्रालय को रिपोर्ट करने को कहा है। नाम न जाहिर करने की इच्छा व्यक्त करते हुए एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा, राजदूतों को वापस बुलाना सरकार के उस निर्णय का हिस्सा है जिसके तहत भारत में हमारे उच्चायुक्त मुस्तफिजुर रहमान को ढाका में विदेश मंत्रालय में वापस लौटने को कहा गया है। लंदन में बांग्लादेश की उच्चायुक्त सादिया मुना तस्नीम को चार दिन पहले ढाका लौटने को कहा गया था। विदेश सेवा में अगस्त के अंत में एक बड़ा परिवर्तन देखा गया, जो 5 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में हुए व्यापक जन-विद्रोह के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को हटाए जाने के कुछ सप्ताह बाद हुआ। इस विद्रोह के बाद आठ अगस्त को नोबेल पुरस्कार विजेता का अंतरिम प्रशासन स्थापित हो गया। उस समय ढाका ने अमेरिका, रूस, जर्मनी, जापान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में अपने राजदूतों और मालदीव में अपने उच्चायुक्त को स्वदेश लौटने का आदेश दिया था।

इनमें से कई राजदूत पूर्व राजनयिक या सेवानिवृत्त एवं सेवारत प्रशासनिक एवं सैन्य अधिकारी थे, जिन्हें अपदस्थ सरकार द्वारा विदेश में नियुक्त किया गया था। इस बीच, कार्यभार संभालने के बाद अंतरिम सरकार ने घरेलू प्रशासन में बड़ा बदलाव करते हुए कई वरिष्ठ अधिकारियों या शीर्ष नौकरशाहों की संविदा नियुक्तियों को रद्द कर दिया, जबकि मुख्य कानून प्रवर्तन एजेंसी के प्रमुख सहित कई पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया। उन पर जुलाई और अगस्त के शुरू में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान छात्रों और आम लोगों की हत्या का आरोप लगाया गया था। ये प्रदर्शन सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में बदलाव की मांग को लेकर हुए थे।

गार्ड ऑफ ऑनर

वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर मार्शल एसपी धारकर ने गुरुवार को नई दिल्ली में भारतीय वायु सेना मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया।

अमेरिका के सिएटल सेंटर में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका के 'सिएटल सेंटर' में महान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महात्मा गांधी की जयंती पर उनकी आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया। सिएटल के मेयर ब्रूस हैरेल, सांसद एडम स्मिथ और भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल की उपस्थिति में बुधवार को आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया। सिएटल में स्थापित गांधी की यह पहली आवक्ष प्रतिमा है। प्रतिमा को लोकप्रिय 'स्पेस नीडल' के नीचे तथा चिहुली गार्डन एवं ग्लास म्यूजियम के समीप स्थापित किया गया है। प्रतिमा के अनावरण समारोह का नेतृत्व सिएटल में भारत के महावाणिज्यदूत प्रकाश गुप्ता ने किया। समारोह में उत्तर पश्चिम प्रशांत में 'यूएस फर्स्ट कोर' के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जेवियर ब्रूनसन और 'मार्टिन लूथर किंग गांधी इनिशिएटिव' के अध्यक्ष एडी राई भी शामिल हुए थे। गांधी जयंती समारोह में शामिल हुए गणमान्य अतिथियों ने 'अहिंसा, सत्याग्रह और सर्वोदय' के मूल्यों को रेखांकित किया और इन मूल्यों को समकालीन समय में बेहद जरूरी बताया। इस अवसर पर, वाशिंगटन के गवर्नर जे. इंसली ने एक आधिकारिक घोषणा जारी की। उन्होंने इस प्रतिमा को गांधी के सिद्धांतों के प्रति श्रद्धांजलि बताया और कहा कि यह प्रतिमा अहिंसा के मार्ग पर चलकर परिवर्तन लाने के प्रभाव की याद दिलाएगी।

घोषणा में कहा गया है कि महात्मा गांधी की यह प्रतिमा भारत सरकार की ओर से सिएटल शहर को उपहार है, जो गांधी के सिद्धांतों के प्रति श्रद्धांजलि होगी तथा सामाजिक एवं राजनीतिक बदलाव प्राप्त करने में अहिंसा की ताकत की याद दिलाएगी।

वाशिंगटन राज्य की ओर से जारी घोषणा में कहा गया है कि शांति, सहिष्णुता और ज्ञान की संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत राज्य 'सिएटल सेंटर' में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा के अनावरण की सराहना करता है। यह ''भारत की ओर से एक ऐसा उपहार है, जो इन मूल्यों के प्रति हमारे समर्पण का प्रतीक है और राज्य मानवता पर गांधी के गहन प्रभाव का सम्मान करता है।''

घोषणा में कहा गया है कि वाशिंगटन राज्य में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की आबादी 2,00,000 से अधिक है, जिनका राज्य के सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने में योगदान अमूल्य है।

किंग काउंटी ने भी ग्रेटर सिएटल क्षेत्र के सभी 73 शहरों में दो अक्टूबर को 'महात्मा गांधी दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की। किंग काउंटी की घोषणा में कहा गया है कि गांधी के ''जीवन और शांति एवं अहिंसा के उनके मार्ग ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है''।

घोषणा में कहा गया है कि गांधी के विरोध के अहिंसक तरीके या सत्याग्रह के उनके दर्शन ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और न्याय, समानता एवं मानवाधिकारों को बढ़ावा देते हुए वैश्विक स्तर पर कई नागरिक अधिकार आंदोलनों को प्रभावित किया।

पश्चिम एशिया के संकट पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने आपातकालीन बैठक की

संयुक्त राष्ट्र/एपी

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के दौर पर ध्यान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार को एक आपातकालीन बैठक की।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि उनके देश ने मंगलवार को इजराइल पर लगभग 200 मिसाइल दागी थीं, ताकि इजराइल की हिंसा को रोका जा सके, जबकि उनके इजराइली समकक्ष ने इस हमले को ''आक्रामकता का अभूतपूर्व कृत्य'' करार दिया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार देर रात जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प व्यक्त किया, वहीं एक ईरानी कमांडर ने धमकी दी कि अगर इजराइल ने ऐसा किया तो वे बुनियादी ढांचे पर व्यापक हमले करेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को कहा कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर किए जाने वाले इजराइली हमले का समर्थन नहीं करेंगे। इजराइल ने बुधवार को तब और खलबली मचा दी जब उसके विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को देश में ''अवांछनीय व्यक्ति'' घोषित कर दिया और संगठन के खिलाफ दशकों से लग रहे यहूदी विरोधी आरोपों को दोहराया। इस बीच इजराइल हाल में दो मोर्चों पर आतंकवादियों से जूझ रहा था। वह हिजबुल्ला के खिलाफ लेबनान में जमीनी स्तर पर निपट रहा था तो गाजा में भी हमले कर रहा था जिनमें बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोग मारे गए। इजराइल की सेना ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में संघर्ष में आठ सैनिक मारे गए हैं। पिछले साल सात अक्टूबर को हमास के सीमा पार हमले के बाद से ही इजराइल और हिजबुल्ला के बीच लेबनान सीमा पर लगभग रोजाना गोलीबारी हो रही है, जिसमें 1,200 इजराइली मारे गए ।

प्रचार

कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगट गुरुवार को हिसार जिले के देवरध गांव में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले अपने चुनाव प्रचार के दौरान।

अगले वर्ष रिलीज होगी 'द दिल्ली फाइल्स-द बंगाल चैप्टर'

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने फिल्म निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म द दिल्ली फाइल्स - द बंगाल चैप्टर, 15 अगस्त को रिलीज होगी। विवेक अग्निहोत्री ने फिल्म द दिल्ली फाइल्स - द बंगाल चैप्टर के लिए निर्माता अभिषेक अग्रवाल के साथ फिर से हाथ मिलाया है, जिन्होंने द कश्मीर फाइल्स के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी।

इस फिल्म को काफी तारीफ मिली थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा परफॉर्म किया था। फिल्म निर्माता ने फिल्म द दिल्ली फाइल्स की रिलीज़ डेट का ऐलान कर दिया है, जो दो पार्ट्स में बनाई जाएगी। उन्होंने खुलासा किया है कि द दिल्ली फाइल्स - द बंगाल चैप्टर 15 अगस्त, 2025 को रिलीज होगी। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया पर द दिल्ली फाइल्स - द बंगाल चैप्टर का एक दिलचस्प पोस्टर साझा करते हुए इसकी रिलीज की तारीख की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा है,अपने कैलेंडर पर मार्क करें: 15 अगस्त, 2025। विवेक अग्निहोत्री निर्देशित और अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी द्वारा अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स के बैनर तले निर्मित की जाने वाली फिल्म दिल्ली फाइल्स 15 अगस्त, 2025 को दुनिया भर में रिलीज़ की जाएगी। इस फिल्म को तेज नारायण अग्रवाल और आईएमबुद्ध द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है।

'बॉर्डर 2' में काम करेंगे सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी, सनी देओल ने किया ऐलान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी 'बॉर्डर 2' में काम करते नजर आयेंगे। जेपी दत्ता निर्मित-निर्देशित वर्ष 1997 में प्रदर्शित फिल्म बार्डर में सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे। करीब 27 साल बाद बॉर्डर का सीक्वल बनने जा रहा है। फिल्म बार्डर 2 में सनी देओल की मुख्य भूमिका होगी। अभी हाल ही में बॉर्डर 2 में वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ की एंट्री हुयी है। अब बार्डर 2 की स्टार कास्ट में अहान शेट्टी भी शामिल हो गये हैं। सनी देओल ने सोशल मीडिया पर अहान का बार्डर 2 की टीम में स्वागत किया है। उन्होंने एक टीज़र साझा करते हुये कैप्शन में लिखा,फौजी अहान शेट्टी का बॉर्डर 2 की बटालियन में स्वागत है। अहान ने भी इंस्टाग्राम पर यह मौका देने के लिए निर्माताओं का आभार व्यक्त किया।उन्होंने लिखा, बॉर्डर एक फिल्म से कहीं अधिक है। यह एक विरासत है, एक भावना है, और एक सपना सच हुआ है। विडंबना यह है कि जीवन कैसे काम करता है।

बॉर्डर के साथ मेरी यात्रा 29 साल पहले शुरू हुई, जब मेरी मां गर्भवती होने पर सेट पर पिताजी से मिलने गईं। मैं बड़ा हुआ ओपी दत्ता की प्रसिद्ध कहानियाँ सुनकर, जेपी अंकल का हाथ पकड़कर, और निधि दत्ता के पास बैठकर मुझे कभी एहसास नहीं हुआ कि वे क्षण सिनेमा और भारतीय सशस्त्र बलों के लिए मेरे प्यार को कितना आकार देंगे, अब बॉर्डर 2 का हिस्सा बनना एक पूर्ण सम्मान है। जेपी अंकल, मेरा हाथ थामे रहने के लिए धन्यवाद, मुझे आशा है कि मैं आपको बहुत गौरवान्वित महसूस करवाऊंगा निधि, आपकी कड़ी मेहनत ने इस सपने को साकार किया, आप जो कुछ भी हैं और करती हैं उसके लिए धन्यवाद।' फिल्म बार्डर 2 का निर्माण भूषण कुमार, किशन कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता कर रही हैं। बार्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह करेंगे।'बॉर्डर 2' 23 जनवरी 2026 को रिलीज के लिए निर्धारित है।

पिछले छह साल से बेरोजगार तनुश्री दत्ता बोलीं-कोई नतीजा नहीं निकला, मी टू कैंपेन के चलते सुर्खियों में आई थीं

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तनुश्री दत्ता कुछ साल पहले मी टू कैंपेन के चलते सुर्खियों में आई थीं। उन्होंने नाना पाटेकर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। दोनों ने फिल्म 'हॉर्न ओके प्लीज' में साथ काम किया था। मी टू अभियान के फिर से सुर्खियों में आने का कारण यह है कि हेमा कमेटी की रिपोर्ट में मलयालम सिने इंडस्ट्री में कई अभिनेत्रियों और अभिनेताओं ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। इस दौरान तनुश्री दत्ता ने इस मौके पर हाल ही में एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने खुलासा किया कि उनके पास छह साल से कोई नौकरी नहीं है।

मी टू कैंपेन को छह साल बीत चुके हैं। क्या इसका उद्योग जगत पर कोई सकारात्मक प्रभाव पड़ा है? इस बारे में तनुश्री ने एक इंटरव्यू में कहा, कोई नतीजा नहीं निकला। उल्टे मी टू मामले की वजह से मुझे काम मिलना बंद हो गया। दिसंबर 2018 में मुझे एक बड़े प्रोड्यूसर ने फिल्म ऑफर की थी। उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में बनाई हैं, लेकिन उनके डायरेक्टर पर मीटू का आरोप लगा। इसलिए मैंने तुरंत मना कर दिया। उन्होंने आगे कहा, अब सोचिए कि हारा कौन है। वह मैं हूं। क्योंकि मैंने लंबे समय से फिल्मों में काम नहीं किया है। अब मैं सिर्फ इवेंट और ब्रांड एंडोर्समेंट कर रही हूं।

मैं किसी फिल्म आधारित फिल्म में मुख्य भूमिका निभाना चाहती हूं। महिला सशक्तीकरण पर। लेकिन मीटू के समय मैंने वह ऑफर भी ठुकरा दिया। कुछ सालों बाद ऐसा ही हुआ, मैंने कुछ अच्छे प्रोजेक्ट साइन किए थे, लेकिन मुझे जानबूझकर निशाना बनाया गया और मुझे बहुत नुकसान हुआ। मी टू कैंपेन के दौरान नाना पाटेकर, साजिद खान, आलोक नाथ समेत कुछ कलाकारों पर आरोप लगे थे। कुछ सालों तक इंडस्ट्री मीटू के आरोपों से हिल गई थी। लेकिन बाद में ये मामला शांत हो गया।

कोलकाता में दुर्गा पूजा महोत्सव से पहले एक सामुदायिक पंडाल में देवी दुर्गा की मूर्ति को 8,000 पौधों से सजाया गया।

तृप्ति डिमरी पर भड़की महिलाएं, पोस्टर पर पोती कालिख

मुंबई/एजेन्सी

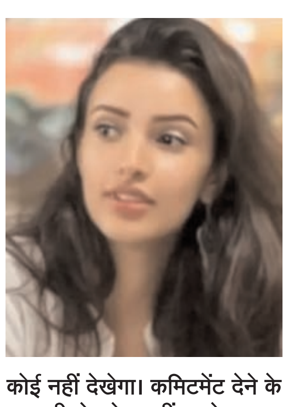

एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी, जो फिल्म एनिमल से सुर्खियों में आई थीं, इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' को लेकर चर्चा में हैं। वह इन दिनों राजकुमार राव के साथ फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। इस बीच, तृप्ति को जयपुर में एक कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया था। तृप्ति ने कार्यक्रम के लिए हामी भरी थी लेकिन वह समय पर नहीं आईं। इससे कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं नाराज हो गईं और ऐसी घटना हुई कि उन्होंने तृप्ति के पोस्टर पर कालिख पोत दी।

सोशल मीडिया पर इस संबंध में वीडियो खूब वायरल हो रहा है। महिलाएं कहती हैं, उनकी फिल्म कोई नहीं देखेगा। कमिटमेंट देने के बाद भी ये लोग नहीं आते। टाइम मैनेजमेंट आना चाहिए। कितनी बड़ी सेलिब्रिटी हैं वो? कोई उनका नाम तक नहीं जानता। हम देखने आए थे कि वो कौन हैं। वह सेलिब्रिटी कहलाने के लायक भी नहीं है। दूसरे वीडियो में इवेंट का मैनेजर तृप्ति का वीडियो रिकॉर्ड कर रहा है। महिलाएं चिल्ला रही हैं 'उसका मुंह काला करो'। एक महिला ने कहा, जयपुर को तृप्ति का बहिष्कार करना चाहिए। हम उसके खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। मैंने उसे आधे पैसे ट्रांसफर कर दिए और बाकी करने जा रही थी लेकिन मैंने रोक दिया, क्योंकि वे मुझसे 5 मिनट इंतजार करने के लिए कह रहे थे। इसके लिए उन्होंने 5.5 लाख रुपये की फीस भी तय की थी। संगठन का कहना है कि वो तृप्ति के खिलाफ कानूनी मदद लेंगे। तृप्ति डिमरी की आने वाली फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' 11 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। इसके अलावा उनकी फिल्में 'भूलभुलैया 3', 'धड़क 2' भी रिलीज होने वाली हैं।

आयुष्मान खुराना ने पायल कपाड़िया की सराहना की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता आयुष्मान खुराना ने फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया की सराहना की और कहा की उन्हें इस युग में जीने पर गर्व है जहां वह पायल जैसी प्रतिभा को देख सकते हैं,जो दुनिया को दिखा रही है कि भारतीय कहानियां विश्व स्तर पर गूंजती हैं। पायल कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज़ लाइट ने इस साल इतिहास रचा, जब वह भारत की पहली फिल्म बनीं, जिसे कान्स का ग्रैंड प्री पुरस्कार मिला। इस उपलब्धि के बाद देश और फिल्म जगत ने इस जीत का जश्न मनाया। इस वैश्विक पहचान के साथ पायल को टाइम मैगज़ीन के टाइम 100 नेक्स्ट 24 में शामिल किया गया, जो आज के सबसे प्रभावशाली लोगों का सम्मान करता है। आयुष्मान खुराना ने इस धाकड़ फिल्म निर्माता के लिए दिल को छू लेने वाले शब्दों में एक खूबसूरत नोट लिखा और उन्हें 'सच्ची पथप्रदर्शक' करार दिया। आयुष्मान खुराना ने लिखा, पायल कपाड़िया किसी भी तरह से एक पथप्रदर्शक से कम नहीं हैं। उनकी 2024 की फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज़ लाइट ने इस साल इतिहास रचा, जब वह कान्स का ग्रैंड प्री जीतने वाली भारत की पहली फिल्म बनी। यह फिल्म भावनाओं का एक मास्टर क्लास है।गहरे चिंतनशील, दार्शनिक और ध्यानमग्न दृष्टिकोण में।उनके फिल्मों में मानवीय अनुभव को पर्दे पर प्रदर्शित करने की एक प्रभावशाली विश्वसनीयता है। उनकी सच्चाई और वास्तविकता के प्रति उनकी नजर ही उनके काम को इतना अद्वितीय बनाती है।

आयुष्मान ने लिखा,कान्स में पायल की उपलब्धि भारतीय सिनेमा के लिए एक मील का पत्थर है। मुझे गर्व है कि मैं ऐसे युग में जी रहा हूं, जहां मैं पायल जैसी प्रतिभा को देख सकता हूं, जो दुनिया को दिखा रही है कि भारतीय कहानियां विश्व स्तर पर गूंजती हैं, जो भूगोल और भाषाओं से परे हैं। उनकी जीत अन्य फिल्म निर्माताओं और कलाकारों को उनके नक्शेकदम पर चलने और बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगी। भारत एक युवा देश है, जिसमें 1.4 अरब से अधिक लोग हैं। हमारे पास 1.4 अरब कहानियां हैं, और पायल ने साहसपूर्वक, जोरदार और शानदार तरीके से सभी को अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित किया है। उनके साथ काम करना और उनके विचारों को समझने का सौभाग्य मिलेगा।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के आरटी नगर स्थित श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विनायक कल्चरल सेन्टर में शारदीय नवरात्र व सार्वजनिक दशहरा महोत्सव मनाया जा रहा है।

मातृछाया जैन महिला संगठन की बैठक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मातृछाया जैन महिला संगठन की बैठक शंकरपुरम स्थित मातृछाया कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में गत कार्यक्रमों के आय व्यय का विवरण रखा गया एवं आगामी परियोजनाओं पर भी चर्चा हुई, जिसमें मुख्य रूप से गायों के लिए शेड निर्माण और शांतिधाम वृद्धाश्रम में असहाय बुजुर्ग लोगों की सेवा कर उन्हें आवश्यक सामग्री भेंट करने पर सहमति बनी। बैठक में संगठन द्वारा 26 अक्टूबर को रामैया हॉस्पिटल के साथ मिलकर समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए स्वास्थ्य और कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन करने का भी निर्णय लिया गया एवं चावल व गुड़ प्रदान करने की योजना भी बनाई गई। इस अवसर पर अध्यक्ष ललिता नागोरी, सचिव रेशमा बडोला, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, पुष्पा नागोरी, त्रिशला दांतेवाड़िया, कविता जैन, अर्चना शाह, सूरज किरण, मीना सोनीगरा, वीणा जैन आदि उपस्थित थी।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद की दुर्गा पूजा में विधि विधान से हुई कलश स्थापना

आरटी नगर के विनायक कल्चरल सेन्टर में हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरटी नगर स्थित श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विनायक कल्चरल सेन्टर में शारदीय नवरात्र व सार्वजनिक दशहरा महोत्सव मनाया जा रहा है। गुरुवार को सुबह 11:30 बजे के बाद अभिजीत मुहूर्त में पूजा यजमान उदयकुमार ने वैदिक आचार्य पंडित रामानंद चौधरी, आचार्य पंडित विनोद झा, पंडित राजगुरु, पं् उमेश पांडे, पंडित जयशंकर मिश्रा, पंडित सोनू पांडे एवं पंडित राहुल पांडे के निर्देशानुसार पूरे वैदिक विधि विधान से कलश स्थापना की। कलश स्थापना से पहले बिहार भवन से गणेश मंदिर तक कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह से भाग लिया। इस वर्ष मां भगवती डोला पर आई है, अतः इसके लिए विशेष अनुष्ठान के साथ पूजा की जा रही है। गुरुवार को मां भगवती की शैलपुत्री रूप माय पूजा की गई। इसके अलावा नवग्रह मंडल,सर्वतोभद्र मंडल, षोडस मात्रिका, चतुर्थे योगिनी की पूजा की गई। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक हरिश्चंद्र झा, परिषद अध्यक्ष एसके उपाध्याय, राजेश्वरसिंह, रामलखन सिंह, सिद्धार्थ शर्मा, आरके सिंह, अमिता झा, डेजी शर्मा, डीएन झा, आशीष मिश्रा, कोषाध्यक्ष मिंटू दुबे, यशवंत सिंह, दीपेश कुमार, राहुल कुमार, अजीत पोद्दार, रवि रंजन आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

पूजा संपन्न होने के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरण किया गया। महिला व युवा मंडल ने कलश स्थापना पूजा की व्यव्यस्था संभाली।

पूजा अध्यक्ष उदयकुमार ने बताया कि 8 अक्टूबर तक रोजाना पूजा, आरती, प्रसाद व सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 9 अक्टूबर को शाम को बिल्व आमंत्रण कार्यक्रम होगा। 10 अक्टूबर को सुबह 7.15 बजे से मूर्ति प्रतिष्ठपना, रात्रि में निशा पूजा होगी। 11 अक्टूबर को सुबह 7.30 बजे से महाष्टमी पूजन, व्रतकारी डाला समर्पण, सुबह 10.30 बजे से महानवमी पूजन व दोपहर में कुमारी पूजा, हवन होगा तथा 12 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से माता जी को भोग प्रसाद, विसर्जन व जयंती वितरण कार्यक्रम होगा। दोपहर 3 बजे से अलसूर लेक के लिए मूर्ति विसर्जन की शोभायात्रा निकाली जाएगी। सचिव पंडित राजगुरु ने सभी मां भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

'व्यक्ति को साधारण से असाधारण बनाती है क्षमा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि इस स्वार्थमय संसार में किसी इंसान के ऊपर जब आपत्तियों और घोर कष्टों के बादल मंडराते है और उसके लिए समस्त रास्ते बंद हो जाते है, उस समय सगे-सम्बन्धी भी शत्रु बन जाते है और अपने भी पराये बन जाते हैं्। दु:खी और आपत्ति से ग्रस्त व्यक्ति की सहायता, सहयोग की भावना समाप्त हो जाती है। इस संसार में सुख के साथी हजारों और लाखों हैं मगर दु:ख का साथी कोई नहीं हैं और यदि कोई है तो वो हैं मात्र धर्म। जो सुख और दु:ख हर समय और हर स्थान पर जीव के साथ रहता हैं्।

वहीं पुरुष इतिहास बनाते है जो किसी गिरे हुए को हाथ पकड़ कर उसे संबल, धैर्य के साथ सहयोग प्रदान करते हैं्। साध्वी श्री स्नेह प्रभा जी म. सा. ने प्रभु महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से दस प्रकार के यति धर्म पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि जो धारण किया जाता है वो धर्म है। क्षमा, सरलता मुक्ति, शौच, मार्दव, आर्जव आदि धर्म पर चर्चा करते हुए कहा कि सब प्रकार के धर्मो का सार यही है कि जीवात्मा अपना कल्याण करते हुए इस असार-संसार से पार होकर मुक्ति के शाश्वत सुखों को प्राप्त करें्। संसार में गुरु तीर्थकर के प्रतिनिधि हैं जो जगत के भव्य जीवों को धर्म का उपदेश देते हुए उनके जीवन का सद्मार्ग प्रदर्शित करते हैं, एक प्रकाश- स्तम्भ के समान। क्षमा का गुण, सरलता का गुण इंसान की साधारण से असाधारण और मानव से महामानव बनाता है। धर्म हमें उन्मार्ग से सन्मार्ग की ओर तथा असत्य से सत्य की ओर ले जाता है। संघ मंत्री सुरेशकुमार धोका ने संचालन किया।

घट स्थापना के साथ सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति का दुर्गा पूजा महोत्सव प्रारंभ

पैलेस ग्राउंड प्रिंसेज श्राइन में आयोजित है महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट बिहार भवन के संयुक्त तत्वावधान में 10 दिवसीय 46वां दुर्गा पूजा महोत्सव अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना अनुष्ठान के साथ पैलेस ग्राउंड प्रिंसेस श्राइन सभागार में प्रारंभ हुआ। बनारस से पधारे आचार्य नित्यानंद त्रिपाठी उनके सहयोगी पंडित सुजीत द्विवेदी एवं उत्तम पांडे के निर्देशन में पूजा अध्यक्ष शेषनाथ दुबे एवं उनकी धर्मपत्नी अंजना दुबे से समिति की ओर से दुर्गा पूजा अनुष्ठान का संकल्प लिया। समिति अध्यक्ष केके सिंह(कुमार बाबू), सचिव सुबोध सिंह समस्त कार्यकारिणी सदस्य, समिति सदस्य एवं महिला मंडल सदस्यों की उपस्थिति एवं उत्साह देखने योग्य था । धन संग्रह समिति के अध्यक्ष जेपी सिंह ने सभी मां भक्तों से अपील की है कि इस दशहरा महोत्सव में देश, समाज एवं स्वयं के लिए शक्ति की देवी मां दुर्गा का पूजन में शामिल हो। हर रोज प्रातः 10 बजे एवं रात्रि आठ बजे पूजा, आरती एवं प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है ।

मन पर विजय पाने का रास्ता है विहंगम योग : संत किशनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सदगुरु सदाफलदेव आदर्श गौशाला राजनकुंटे का पांचवा वार्षिकोत्सव हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में गौभक्त गौशाला पहुंचे और अपने हाथों से गायों को हरा चारा, केले एवं गुड़ खिलाया। विहंगम योग वाराणसी के राष्ट्रीय संत किशनलाल शर्मा ने अपने प्रवचन में जन समूह को संबोधित करते हुए कहा मनुष्य जन्म, ईश्वर को पाने की श्रद्धा एवं सद्गुरु का सान्निध्य पुनवानी से ही प्राप्त होता है। वर्तमान में विश्व में जो अशांति का माहौल है उसकी एक ही वजह है व्यक्ति का मन पर नियंत्रण नहीं होना।

मन पर विजय पाने का रास्ता है विहंगम योग। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में गाय की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए गो भक्तों को गो सेवा से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर सद्गुरु सदाफल देव आदर्श गौशाला बेंगलूरु के अध्यक्ष नंदकिशोर दरक, सहयोगी पवन शर्मा, बेंगलूरु अध्यक्ष राजेंद्र लखोटिया, मदनलाल शर्मा, पंडित बद्रीप्रसाद शर्मा, हरि शर्मा, राजकुमार जोशी, रामनिवास शर्मा एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

सुसवाणी मंदिर में घट स्थापना के साथ नवरात्रि महोत्सव प्रारंभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के होसूर रोड़ स्थित सुसवाणी माता धाम में प्रतिपदा से नवरात्रि महोत्सव प्रारंभ हुआ्। प्रातःधाम में प्रतिष्ठित पांचों देवी सुसवाणी माता, पद्मावती माता, अंबे माता, सच्चियाय माता एवं लक्ष्मी माता की पूजित रजत प्रतिमाओं का पूजन पक्षाल हुआ्। शुभ मुहूर्त में संघ के पूर्व अध्यक्ष सरदारमल सुराणा ने सपत्नीक घट स्थापना एवं माताजी वंदित कर कुलदेवी का आह्वान किया। माता मंदिर एवं महादेव मंदिर को जगमग रोशनी से रोशन किया गया है। संघ के अध्यक्ष महीपाल सुराणा ने बताया कि महोत्सव के चौथे दिन रविवार को सुराणा संघ व भवरीबाई घेवरचंदजी सुराणा चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में प्रातः पद यात्रा एवं सायं विराट भक्ति संध्या का आयोजन रखा गया है। संघ के महामंत्री भीमराज सुराणा ने बताया कि रविवार को मध्याह्न 2.30 बजे से शहर के विभिन्न उपनगरों से धाम तक आवागमन के लिए बसों की व्यवस्था रखी गई है। भक्ति से पूर्व तपस्वियों का सम्मान होगा। महोत्सव के दौरान समयानुसार हवन एवं महाआरती होगी।

बीटीएम लेआउट में कलश यात्रा व घट स्थापना से दुर्गा पूजा हुई शुरु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वैशाली जनकल्याण समिति द्वारा लेक रोड बीटीएम लेआउट में दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया है जिसकी शुरुआत गुरुवार को कलश स्थापना से हुई। एसएनएन अपार्टमेंट के विघ्नेश्वर मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई जिसमें 101 महिलाएं सिर पर कलश धारण कर पैदल यात्रा करते हुए पूजा मंडप बिलेकाहल्ली पहुंची। पूजा पंडित गिरिधर द्विवेदी, अमित मिश्रा, अमित तिवारी ने कलश स्थापना करवाई। यात्रा में 250 से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए्।

पूजा की व्यवस्था अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, सचिव मुकेशकुमार सिंह, उपाध्यक्ष पंकजसिंह, कोषाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, एके गुप्ता, निशांत द्विवेदी सहित अन्य सदस्यों द्वारा की गई।

जीवन में बदलाव की बयार लाता है अणुव्रत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में स्थानीय अणुव्रत समिति द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तृतीय दिवस को अणुव्रत प्रेरणा दिवस के रूप में आरवी रोड स्थित अरिहंत इंस्टिट्यूट ऑफ़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट कॉलेज में मनाया गया। समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी नेसभी का स्वागत करते हुए दक्षिण जीतो लेडीज विंग की अध्यक्षा बबीता रायसोनी का स्वागत करते हुए संक्षिप्त परिचय दिया। इस मौके पर बबीता रायसोनी ने उपस्थित विद्यार्थियों को अणुव्रत की जानकारी हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में देते हुए कहा कि अणुव्रत हमें यही सिखाता है कि हमारे जीवन में बदलाव की जरूरत है । यह सिर्फ जैन धर्म के लिए ही नहीं बल्कि सभी धर्म के लोगों को लागू होता है। झूठ, चोरी, नकल, हिंसा नहीं करना इसका सभी मनुष्य पालन करें । अहिंसा, सत्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह विषय पर सरल परिभाषा में बच्चों को प्रेरणा देते हुए इसे जीवन मे अपनाने के महत्व को समझाया। कॉमर्स विभाग प्रमुख सुमित और कॉलेज ट्रस्टी चंद्रगुप्त ने भी अपने विचार रखे । कार्यक्रम का संचालन समिति कोषाध्यक्ष महेंद्र दक ने किया एवं सभी के प्रति आभार कविता जैन ने माना कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, संगठन मंत्री निर्मल पोकरणा, महासभा आंचलिक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, कन्हैयालाल चिप्पड़, सुमित्रा बरड़िया, वीना पोरवाल, ललिता डागा ने सहयोग दिया।

प्रीति गुण का नाशक है क्रोध : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में विनयमुनिजी खींचन ने नंदी सूत्र की प्रवचन माला की विवेचना करते हुए कहा कि धर्म का मूल सत्य है। सत्य व्रत को निभाना अर्थात् आत्मा को उत्कर्ष तक ले जाना है। भगवान महावीर ने कहा है कि झूठ चार कारण से बोलते है, क्रोध-लोभ-भय-हास्य इनके वश व्यक्ति झूठ बोलता है। झूठ के साथ माया जुड़ी रहती है, अतएव माया मृषावाद कहते हैं्। झूठे लोगों की संगत से बचना चाहिए। धोखा-विश्वासघात झूठ की सन्तानें है। व्यापार वाणिज्य में लोग झूठ का सहारा लेकर शीघ्र धनपति बन जाते है। अन्याय अनीति का धन दस वर्ष में अपना फलदुख रूप देते ही है। क्रोध,प्रीति गुण का नाशक है। लोभ सभी दोषों की जनक है, भय में सुख छीन जाता है। हास्य क्षणिक सुख भले देता है परन्तु सभी झगड़ों का मूल हंसी है। सभी का स्वागत संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने किया। संघ महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

शिवशक्ति जागरण समिति का माँ दुर्गा चौकी जागरण 12 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयदशमी के दिन 12 अक्टूबर को शिवशक्ति जागरण समिति, उत्तरप्रदेश सेवा मंडल एवं जायसवाल समाज कर्नाटक के संयुक्त तत्वावधान में शहर के जेपीनगर आठवाँ फेज स्थित सारथी स्कूल प्रांगण में विशाल माँ दुर्गा चौकी जागरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समिति के चेयरमैन विजयचंद पाण्डेय तथा सभाजीत जायसवाल ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए बताया कि सुबह 10 बजे से पंडित रमाकांत मिश्र माता रानी की पूजा-अर्चना व हवन अनुष्ठान संपन्न कराएंगे। दोपहर बाद भजन संध्या में भजन गायक विनय पाण्डेय, सुरेश चौहान तथा भजन गायिका पुष्पा जायसवाल माता रानी के सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। उत्तर प्रदेश सेवा मंडल के अध्यक्ष कृष्णकांत दुबे ने कहा कि युवा मंच के कार्यकर्ता उत्साह व उमंग के साथ इस जागरण समारोह की तैयारियों में लगे हुए हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com